



RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन +91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष : 15 | अंक: 274 | पेज: 12 | mahanagarmetro7@gmail.com

|| अहमदाबाद, (मंगलवार) 26 मई 2026 ||

सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

रायगढ़ में खाई में वाहन गिरने से 8 लोगों की मौत

सीएम फडणवीस ने जताया दुख

एजेंसी

रायगढ़ । महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में कोंकण क्षेत्र से सतारा जा रहे एक पर्यटक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। इसकी जानकारी सोमवार को अधिकारियों ने दी। अधिकारियों के मुताबिक, वाहन अनियंत्रित होकर रायगढ़ जिले के पहाड़ी क्षेत्र में लगभग 1,000 फीट गहरी घाटी में जा गिरा। बचाव दल ने अब तक तीन शव बरामद किए हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है,

जबकि अन्य लोगों की तलाश और उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, निकालने के प्रयास जारी हैं। इस हादसे में “रायगढ़ जिले के अम्बेनाली घाट पर हुए



अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने

भीषण हादसे में 8 लोगों की जान चली गई, यह बेहद दुखद घटना है। मैं उनके परिवार को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम

उनके परिवारों के दुख में उनके साथ हैं। ‘ उन्होंने आगे लिखा, ‘ये आठ दोस्त एक यात्रा पर जा रहे थे। इस दौरान उनका वाहन 1,500 फीट गहरी घाटी में गिर गया, जिसके परिणामस्वरूप शव अलग-अलग स्थानों पर बिखरे पड़े हैं। जिला प्रशासन ने तुरंत राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है और 7-7 कर्मियों की 5 टीमें गठित की हैं। शवों को निकालने के प्रयास युद्धस्तर पर चल रहे हैं और अब तक 3 शव बरामद किए जा चुके हैं। शेष शवों को भी जल्द ही निकाल लिया जाएगा। एनडीआरएफ से भी सहायता ली जा रही है। अन्य स्वयंसेवी बचाव दल भी मदद कर रहे हैं। मृतकों में से 1 रत्नागिरी जिले का है, जबकि शेष 7 सतारा जिले के हैं। रायगढ़ और सतारा पुलिस बल भी समन्वय में काम कर रहे हैं। ‘ अधिकारियों

ने बताया कि पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा राहत इकाइयों की टीमों दुर्घटनास्थल पर तैनात कर दी गई हैं। बचावकर्मियों रस्सियों और विशेष उपकरणों की मदद से खाई तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम क्षेत्र और घाटी की अत्यधिक गहराई के कारण बचाव अभियान में मुश्किल आ रही है। मृतकों की पहचान अभी तक आधिकारिक तौर पर नहीं हो पाई है। वहीं, धुले से सोमवार सुबह एक और भीषण सड़क दुर्घटना की खबर मिली है, जिसमें मुंबई-आगरा राजमार्ग पर कई वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।



लालिंग घाट पर तीन वाहनों की टक्कर में छह की मौत, 26 घायल

मुंबई । महाराष्ट्र के धुले जिले में मुंबई-आगरा हाइवे लालिंग घाट पर सोमवार तड़के हुई तीन वाहनों की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज धुले के भाऊसाहेब हीर सरकारी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। इस घटना की छाबनीन मोहाडी पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। घटना की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि आज तड़के करीबतीन बजे लालिंग घाट पर विपरीत दिशा में चल रहे एक रेंती भरे डंपर ने शराब ले जा रहे एक ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना के बाद टोल प्लाजा के कर्मचारी और वहां मौजूद लोग घायलों को बचाने का प्रयास कर रहे थे।

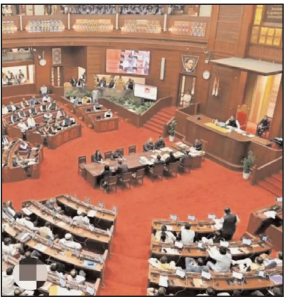
असम विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश

● मुख्यमंत्री बोले-समय की जरूरत है यह विधेयक

एजेंसी

दिसपुर । असम सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया। असम के संसदीय कार्य मंत्री अतुल बोरा ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से विधेयक पेश किया। विपक्षी विधायकों ने विधेयक का विरोध करते हुए अध्यक्ष से इसे पेश न करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा, ‘असम विधानसभा में समान नागरिक संहिता 2026 विधेयक पेश होने से इस बात पर खुलकर चर्चा का मार्ग प्रशस्त हुआ है कि यूसीसी असम समय की आवश्यकता क्यों है और यह हमारे संस्थापकों द्वारा निर्धारित मार्ग को साकार करने में कैसे मदद करेगा?’ वहीं, मंत्री अतुल बोरा ने एक्स पर पोस्ट किया, ‘मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से मैंने आज विधानसभा में असम समान नागरिक संहिता

विधेयक- 2026 प्रस्तुत किया। ‘ असम मंत्रिमंडल ने पिछले साप्ताहिक समान नागरिक संहिता के मसौदे को मंजूरी दी थी। सूत्रों के अनुसार, असम विधानसभा का कार्यकाल एक दिन बढ़ाकर 27 मई



तक कर दिया गया है, जबकि विधेयक पर चर्चा मंगलवार को होने की संभावना है। मंत्रिमंडल का यह निर्णय नव निर्वाचित असम विधानसभा के पहले सत्र से पहले आया है। सरकार का कहना है कि यूसीसी का उद्देश्य सभी नागरिकों के

लिए, चाहे उनका कोई भी धर्म हो, विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने से संबंधित व्यक्तिगत कानूनों का एक एकल, एकीकृत समूह लागू करना है। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विवाह की कानूनी उम्र, बहुविवाह, उत्तराधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे मुद्दों का समाधान करना है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि राज्य के पहाड़ी और मैदानी दोनों क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों को भी प्रस्तावित कानून के प्रावधानों से छूट दी जाएगी।

असम, उत्तराखंड और गुजरात के बाद समान नागरिक संहिता विधेयक पेश करने और पारित करने वाला तीसरा राज्य बनने जा रहा है। समान नागरिक संहिता भारत में नागरिकों के व्यक्तिगत कानूनों को तैयार करने और लागू करने का एक प्रस्ताव है, जो सभी नागरिकों पर, उनके धर्म की परवाह किए बिना, समान रूप से लागू होते हैं।

बीजद राज्यसभा सांसद देवाशीष सामंतराय ने पार्टी से इस्तीफा दिया

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत राज्यसभा सांसद देवाशीष सामंतराय ने सोमवार को बीजू जनता दल (बीजद) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने इस्तीफे में उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में उन्हें पार्टी के भीतर ‘व्यवस्थित रूप से अनदेखा’ किया गया और ऐसा महसूस कराया गया कि पार्टी को अब उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है।बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक को संबोधित अपने इस्तीफा पत्र में सामंतराय ने उन्हें राज्यसभा भेजने तथा अविभाजित कटक जिले के लोगों की सेवा करने और राष्ट्रीय स्तर पर ओडिशा के मुद्दों को उठाने का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया। पत्र में उन्होंने लिखा, ‘मुझे राज्यसभा के लिए नामित करने के लिए मैं आपका सदैव ऋणी रहूंगा। आपने मुझे अविभाजित कटक जिले के लोगों की सेवा करने और राष्ट्रीय मंच पर ओडिशा के मुद्दों को उठाने का जो अवसर दिया।

मार्को रुबियो ने पत्नी जेनेट के साथ किया ताजमहल का दौदार



एजेंसी

आगरा । अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत दौरे के तीसरे दिन दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताज महल का दौदार करने पहुंचे। उनके साथ पत्नी जेनेट डी. रुबियो, अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट गैब्रियल और भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के राजदूत सर्जियो गोर भी थे। गोर ने ताज के सामने खिंचवाई तीन तस्वीरें पोस्ट कीं। इनमें रुबियो दंपति और गैब्रियल को भी देखा जा सकता है। इन तस्वीरों के साथ गोर ने लिखा मार्को रुबियो, जेनेट डी रुबियो और रॉबर्ट गैब्रियल के साथ आइकॉनिक ताजमहल पर वापस आकर शानदार अनुभूति हुई। उन्होंने ताजमहल को भारत की असाधारण विरासत और कारीगरी का अद्भुत प्रतीक बताया और कहा कि इसकी खूबसूरती हमेशा मंत्रमुग्ध कर देती है।

मणिपुर में पांच उग्रवादी गिरफ्तार हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर और इंफाल क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा बीते 24 घंटों में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि चलाए गए एक अभियान में सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के एडेंथर रेंगगाई गांव निवासी जेहोवा राजा दत्ता (24) को उसके घर से



मैगजीन, 5.56 मिमी के 36 जिंदा कारतूस, एक कैमोफ्लाज बुलेटप्रूफ जैकेट और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। वहीं, अन्य अभियान में मणिपुर रिवोल्यूशनरी आर्मी (एमआरए) के दो सक्रिय

कैडरों को वांगखेई आर्यगपल्ली रोड से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान कोंगबा नांटेइबाम लैकाई, इंफाल ईस्ट निवासी निंगथौजाम विक्की सिंह उर्फ मुनाल (30) तथा लाफुपत तेरा म्याई लैकाई, इंफाल ईस्ट निवासी निंगथौजाम ईश्वरचंद्र सिंह उर्फ लोइया उर्फ थावाइलकपा (24) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में लांगजिंग माखा लैकाई में रह रहा था। उनके पास से तीन मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड और एक दोपहिया वाहन बरामद किया गया।

गडकरी ने राजस्थान के 10,064 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता, रखरखाव की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को राजस्थान में 10,064 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव स्थिति की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने यह समीक्षा मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर की।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यहां आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टप्टा और हर्ष मल्होत्रा के साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग



प्राधिकरण (एनएचएआई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के

वरिष्ठ अधिकारी तथा परियोजनाओं से जुड़े ठेकेदार मौजूद रहे। बैठक में

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ने गूगल, मेटा सहित 23 लोगों के खिलाफ दायर किया मानहानि का केस

● मुआवजे में मांगे एक करोड़

एजेंसी

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार ने अपने और अपने परिवार के खिलाफ कथित रूप से दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक अभियान चलाने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों, मीडिया हाउस और राजनीतिक नेताओं के खिलाफ सिटी सिविल कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर कर एक करोड़ रुपये की मांग की है।

केंद्रीय मंत्री संजय कुमार ने सोमवार को स्थानीय सिविल कोर्ट में दायर याचिका में कहा कि अनुच्छेद 21 के तहत उन्हें अपनी गरिमा बनाए रखने का अधिकार है और प्रतिवादियों ने सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों का इस्तेमाल कर उनकी छवि भूमिल करने की कोशिश की है। उन्होंने इस मामले में गूगल, मेटा के फेसबुक और इंस्टाग्राम, एक्स सहित कई स्थानीय समाचार

चैनलों सहित 23 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। बंदी संजय का आरोप है कि उन्हें राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए सुनियोजित तरीके से भ्रामक सामग्री फैलाई जा रही है,



जिससे उन्हें मानसिक प्रताड़ना और राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है। मंत्री ने अपने बेटे से जुड़े एक हालिया मामले को लेकर चलाए जा रहे प्रचार पर आपत्ति जताते हुए एक करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है।

केंद्रीय मंत्री का कहना है कि वे

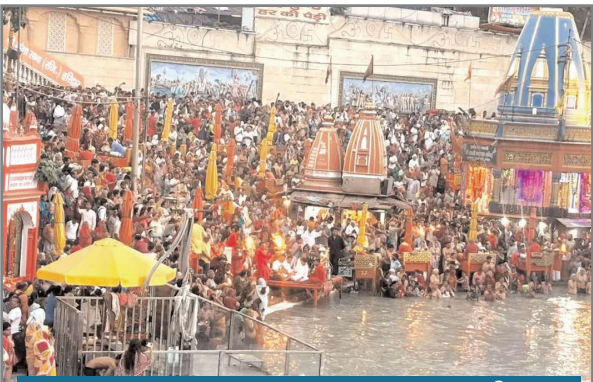
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत अपनी प्रतिष्ठा और गरिमा के संवैधानिक अधिकार की रक्षा की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इसे विभिन्न मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रतिवादियों की ओर से फैलाई गई झूठी, अपमानजनक और भ्रामक प्रकाशनों का एक निरंतर और दुर्भावनापूर्ण अभियान बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिवादियों ने उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को झूठा फंसाने और राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए एक समन्वित अभियान चलाया है। उन्होंने कहा कि मनसनीखेज लेखों, भ्रामक श्वंनेल, समनद्ध सोशल मीडिया पोस्ट, अपमानजनक कैप्शन और वीडियो के माध्यम से एक गलत सार्वजनिक धारणा बनाने की कोशिश की गई कि वे व्यक्तिगत रूप से इस मामले से जुड़े हैं या इसे प्रभावित कर रहे हैं।

गडकरी ने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, गुणवत्ता मानकों का

● सड़क सुरक्षा और राजमार्ग परिसंपत्तियों की दीर्घकालिक मजबूती बनाए रखने के लिए पूर्व तैयारी, रोकथाम उपायों और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया जाए।- नितिन गडकरी

सखी से पालन करने और टिकाऊ एवं प्रभावी राजमार्ग अवसरंचना के

विकास के लिए उन्नत तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत राजमार्ग नेटवर्क संपर्क सुविधा बढ़ाने, आर्थिक गतिविधियों को गति देने और यात्रियों की सुविधा सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों को मानसून से पहले आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और राजमार्ग परिसंपत्तियों की दीर्घकालिक मजबूती बनाए रखने के लिए पूर्व तैयारी, रोकथाम उपायों और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया जाए।



गंगा दशहरा पर उमड़ा आस्था का सैलाब हर-हर गंगे से गूंजे घाट

हरिद्वार। धर्मनगरी में गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। नगर के हर घाट पर आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। दोपहर तक 45 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा दशहरा के अवसर पर गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर सुख-समृद्धि और पापों से मुक्ति की कामना की। ब्रह्ममूहूर्त से ही देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे लाखों श्रद्धालु हकी पैड़ी समेत गंगा घाटों पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए जुटने लगे। हर-हर गंगे और जय मां गंगे के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। हकी पैड़ी पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। रविवार को जहां करीब 27 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया था, वहीं सोमवार सुबह गंगा आरती के बाद ही श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख तक पहुंच गई। दोपहर तक यह आंकड़ा 45 लाख पहुंच गया।

● सुप्रीम कोर्ट: कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ जनहित याचिका सीजेआई बोले- मुद्दे को भावनात्मक तरीके से न लें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को एक याचिकाकर्ता से कहा कि वह ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के मुद्दे को

जल्द सुनवाई की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी ने सीजेआई की ‘तिलचट्टे’ वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा कि मुख्य

न्यायाधीश की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने के बावजूद न्यायालिका को बदनाम करने के लिए तथ्यों को तोड़-मरोड़कर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से पेश किया जा रहा है।



इतना भावनात्मक तरीके से न लें। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी के मामले में जनहित याचिका दायर करते हुए एक वकील ने अदालत से

उचित समय आने पर करेंगे सुनवाई, अभी जरूरत नहीं : सुप्रीम कोर्ट

वकील की इस दलील पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, ‘इसे इतने भावनात्मक तरीके से मत लीजिए।’ मुख्य न्यायाधीश ने जनहित याचिका की जल्द सुनवाई की मांग पर कहा कि ऐसी कोई गंभीर तात्कालिकता नहीं है और सर्वोच्च न्यायालय उचित समय पर इसकी नियमानुसार सुनवाई करेगा। जनहित याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए न किया जाए और फर्जी वकीलों की डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की जाए। इसी मामले पर एक अन्य जनहित याचिका में मुख्य न्यायाधीश की ‘तिलचट्टे’ वाली टिप्पणी के बाद उभरे व्यापक आंदोलन अभियान को विरोध जनता पार्टी से जुड़ी गतिविधियों की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

जैसलमेर में मिला प्राकृतिक गैस का नया भंडार, डांडेवाला फील्ड में बढ़ी ऊर्जा क्षेत्र की उम्मीदें

एजेंसी

जैसलमेर। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर जिले में प्राकृतिक गैस का नया भंडार मिलने से देश के ऊर्जा क्षेत्र को बड़ी सफलता मिली है। जैसलमेर के डांडेवाला क्षेत्र में

सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने जमीन से करीब 950 मीटर गहराई पर स्थित ‘सानू फॉर्मेशन’ से पहली बार प्राकृतिक गैस का सफल बहाव हासिल किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरीद्वीप सिंह

पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर इसकी जानकारी साझा करते हुए इसे देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। परीक्षण के दौरान यहां से प्रतिदिन करीब 25 हजार स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस उत्पादन मापा

गया। विशेषज्ञों के अनुसार यह गैस उच्च गुणवत्ता वाली है और इसमें कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बेहद कम है, जिससे इसे पर्यावरण के लिहाज से स्वच्छ ईंधन माना जा रहा है।



स्वर्गीय इन्द्रसिंह राजपुरोहित को न्याय दिलाने की मांग: फालना थाने के सामने उमड़ा जनसैलाब,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। राजस्थान के पाली जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुडाला के निवासी स्वर्गीय इन्द्रसिंह जी राजपुरोहित को न्याय दिलाने की मांग अब एक बड़े जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। इस गंभीर मामले में उचित कार्रवाई न होने और दोषियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी से आक्रोशित राजपुरोहित समाज ने फालना पुलिस थाने के सामने एक विशाल धरना-प्रदर्शन किया। इस न्याय की लड़ाई में समाज के हजारों लोग एकजुट होकर फालना थाने के बाहर सड़कों पर उतर आए। इस महाप्रदर्शन में अखिल भारतीय राजपुरोहित समाज संघर्ष समिति के पदाधिकारियों, राजपुरोहित समाज विश्व के प्रतिनिधियों और राजपुरोहित समाज की शान आसोतरा धाम से जुड़े प्रमुख प्रबुद्ध जनों तथा युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। धरने में शामिल वक्ताओं ने स्थानीय पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए और आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार को न्याय देने में जानबूझकर ढिलाई बरती जा रही है। समाज के नेताओं ने दो टुक शब्दों में चेतावनी दी कि जब तक स्वर्गीय इन्द्रसिंह जी को पूर्ण न्याय नहीं मिल जाता और दोषियों को सजा नहीं होती, तब तक यह आंदोलन थमेगा नहीं। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी मांगों का एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच करने की मांग की गई है। आसोतरा धाम और विभिन्न सामाजिक संगठनों के इस आंदोलन से जुड़ने के बाद अब प्रशासन पर भी उचित कार्रवाई करने का भारी दबाव बन गया है।
महानगर मेट्रो का सुलगता सवाल:
क्या फालना पुलिस प्रशासन राजपुरोहित समाज के इस आक्रोश और वाजिब मांग को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय दिलाएगा? खाकी पर उठ रहे इन सवालों के बीच अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या ठोस कदम उठाता है। -
वर्ल्ड सिनेमा के नए एक्शन किंग बने डॉन ली; कोरियन ‘सलमान खान’ के मुरीद हुए भारतीय युवा
महानगर मेट्रो ब्यूरो
नई दिल्ली। सिनेमा की दुनिया में जब भी दमदार कद-काठी और बेहतरीन एक्शन की बात होती है, तो अब एक नाम पूरी दुनिया में गुंज रहा है - डॉन ली। जिन्हें मा डींगसेओक के नाम से भी जाना जाता है। डॉन ली आज न सिर्फ कोरिया, बल्कि वैश्विक सिनेमा के सबसे बड़े एक्शन सुपरस्टार बन चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि भारत के युवा वर्ग में भी उनका जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है। यूट्यूब पर तमिल, तेलुगु और हिंदी में डब उनकी फिल्मों को लाखों व्यूज मिलते हैं। भारतीय फैंस को डॉन ली के फाइटिंग स्टाइल और स्क्रीन प्रेजेंस में बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान की साफ झलक दिखाई देती है। दोनों का वन-पंच फाइट स्टाइल काफी मिलता-जुलता है। Bवर्ष 1971 में जन्मे डॉन ली 1989 में अमेरिका चले गए थे। कोलंबिया स्टेट यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने मिक्सड मार्शल आर्ट्स फाइटरस के फिजिकल ट्रेनर के रूप में काम किया। फिल्मों में उनका सफर थोड़ा देर से शुरू हुआ। साल 2005 में फिल्म ‘हेवन्स सोलजर्स’ से करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 2016 में आई ट्रेन टू बुसान ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रातोरात स्टार बना दिया। इसके बाद 2017 में आई द आउटलॉज ने उन्हें कोरिया के नए एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया। अलौंग विद द गॉड्स, अनस्टोपिबल और द गैंगस्टर, द कोप, द डेविल जैसी लगातार हिट फिल्मों के कारण समीक्षक ‘डॉन ली फिल्मों’ को खुद में एक अलग जॉर मानने लगे हैं। उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म ‘द राउंडअप’ ने कोविड महामारी के बाद 1 करोड़ से अधिक दर्शकों का आंकड़ा पार कर इतिहास रचा, जिसने करीब 130 बिलियन कोरियन वॉन की रिकॉर्ड कमाई की। आज डॉन ली का नाम ही बॉक्स ऑफिस पर सफलता की सबसे बड़ी गारंटी बन चुका है।
 - रिपोर्ट महानगर मेट्रो।

डेज ग्रुप अहमदाबाद द्वारा जैन समाज के भामाशाह अशोक पाटनी का आत्मीय सम्मान एवं भव्य कार्यक्रम का निमंत्रण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिगंबर जैन युवा संघ चैरिटेबल ट्रस्ट - डेज ग्रुप अहमदाबाद की टीम को हाल ही में एक अत्यंत गौरवपूर्ण एवं प्रेरणादायक अवसर प्राप्त हुआ। टीम ने देश के सुप्रसिद्ध उद्योगपति, महान दानवीर, जैन समाज के भामाशाह एवं ऋच. Marble के आदरणीय श्री अशोक जी पाटनी साहब से आत्मीय मुलाकात की। इस विशेष अवसर पर डेज ग्रुप की टीम ने उन्हें आगामी Days Housie 2026 एवं सम्मान समारोह’ के लिए सादर आमंत्रित किया, जो 7 जून 2026, रविवार को अहमदाबाद के दिनेश हॉल में आयोजित होने जा रहा है। यह भव्य कार्यक्रम संगीत, मनोरंजन से परिपूर्ण रहेगा, साथ ही सम्मान समारोहोह में जैन समाज के गणमान्य व्यक्ति का सम्मान भी किया जाएगा। मुलाकात के दौरान अशोक जी पाटनी ने डेज ग्रुप द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं सेवा कार्यों की खुले दिल से साहसना की। डेज ग्रुप अहमदाबाद द्वारा आयोजित होने वाले हर कार्यक्रम समाज में सेवा, सम्मान एवं सांस्कृतिक एकता का एक प्रेरणादायक उदाहरण रहा है। इस दौरान उन्होंने टीम के सभी सदस्यों के साथ चर्चा की तथा समाज सेवा, एकता एवं युवा शक्ति के महत्व पर भी अपने विचार साझा किए एवम बताया की समाजहित के कार्य निरंतर आगे बढ़ते रहने चाहिए। डेज ग्रुप के अध्यक्ष मनीष पाटनी ने बताया कि अशोक जी पाटनी की डेज ग्रुप के साथ ये मुलाकात बहुत ही भावनात्मक एवम प्रेरणादायक क्षण रहा। अशोक जी पाटनी ने आत्मीयता के साथ डेज ग्रुप को आश्वासन दिया कि डेज ग्रुप के हर सामाजिक, धार्मिक एवम मानव सेवा के हर कार्य में वह उनके साथ खड़े है ।

22 साल बाद कानून के शिकंजे में ‘नरपिशाच’: अहमदाबाद

क्राइम ब्रांच ने दबोचा फांसी की सजा पा चुका हत्यारा

1994 में दोस्त के साथ मिलकर व्यापारी का सिर धड़ से अलग किया था।

साल 2000 में कोर्ट ने सुनाई थी फांसी, 2004 में पैरोल जंप कर हो गया था फरार।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने करीब 22 साल से कानून की आंख में धूल झाँककर फरार चल रहे एक खूंखार और शातिर अपराधी सतीश उर्फ भीखू रूपारेलिया को गिरफ्तार कर लिया है। यह वही अपराधी है जिसे साल 1994 के एक रंगटे खड़े कर देने वाले हत्याकांड में फांसी की सजा सुनाई गई थी, लेकिन पैरोल पर बाहर आने के बाद यह गायब हो गया था।
वया था 1994 का वह खौफनाक हत्याकांड?
बात साल 1994 की है, जब सतीश रूपारेलिया ने अपने एक दोस्त राजन पांचाल के साथ मिलकर लालच और मर्डर का एक ऐसा ताना-बाना बुना जिसने पूरे अहमदाबाद को हिलाकर रख दिया था।
झांसा देकर बुलाया: कालुपुर टंकशाल के एक बड़े कपड़ा व्यापारी अरविंद शाह को सतीश

गांधीनगर में ACB का बड़ा धमाका: प्रातिज नगरपालिका का असिस्टेंट इंजीनियर 45 हजार की रिश्तत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में भ्रष्टाचारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को आज एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। गांधीनगर ACB की टीम ने प्रातिज नगरपालिका में कार्यरत असिस्टेंट इंजीनियर को 45 हजार रुपये की रिश्तत की रकम स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।
वया है पूरा मामला ?
मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले के शिकायतकर्ता (जो कि एक जागरूक नागरिक हैं) ने टेंडर प्रक्रिया के तहत प्रातिज नगरपालिका क्षेत्र में दो ‘वाटर ए.टी.एम. मशीनें’ (Water ATM Machines) लगाई थीं। इन मशीनों के काम का बिल पास करवाने के लिए शिकायतकर्ता ने नगरपालिका से संपर्क किया था। रिश्तत की डिमांड: प्रातिज

श्रीनगर/गुलमर्ग। धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर के मशहूर पर्यटन स्थल गुलमर्ग से एक बेहद डरावनी खबर सामने आ रही है। गुलमर्ग के विश्व प्रसिद्ध गोंडोला (रोपवे) प्रोजेक्ट में अचानक तकनीकी खराबी आने के कारण करीब 300 पर्यटक बीच हवा में ही फंस गए हैं। आसमान छूती ऊंचाइयों पर कई फीट ऊपर लटके इन केबिलों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं, जो इस वक्त जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

अचानक थमा रोपवे, हवा में गुंजी चीखें

मिली जानकारी के मुताबिक, हर दिन की तरह आज भी बड़ी संख्या में देश-विदेश के सैलानी गुलमर्ग की खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठाने के लिए गोंडोला की सवारी कर रहे थे। तभी अचानक आई तकनीकी खराबी की वजह से रोपवे बीच रास्ते में ही
वया था पूरा विवाद?
मिली जानकारी के मुताबिक, BJP शासित कॉर्पोरेशन के एक कॉर्पोरेटर ने पार्टी के सीनियर लीडर नितिन पटेल के पॉलिटिक्स खत्म हो गई है। इस घटना के बाद BJP की अंदरूनी पॉलिटिक्स में काफी गरमागरम माहौल बन गया है।



बयान दिया था। उन्होंने कहा था, ‘नितिन पटेल की पॉलिटिक्स अब खत्म हो गई है।’ पार्टी के जमीनी और ताकतवर लीडर के खिलाफ ऐसे बिना अनुशासन वाले कमेंट की खबर हवा की तरह राज्य **BJP** संगठन तक पहुंच गई थी। अनुशासन तोड़ने पर पार्टी का सख्त एक्शन **BJP** हमेशा से अपने अनुशासन और संगठन के लिए जानी जाती है। पार्टी के सीनियर नेता का अपमान बर्दाश्त न करने के मूड में संगठन ने तुरंत एक्शन लिया है। प्रदेश



नगरपालिका में असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर तैनात आरोपी राजदीपसिंह शंभुजी चावडा ने इस बिल को मंजूर करने के बदले में तय प्रतिशत (टकावारी) के हिसाब से 45,000 रुपये की रिश्तत मांगी थी।

सरेराह बिछाया गया जाल

शिकायतकर्ता अधिकारी को रिश्तत देने के हक में बिल्कुल नहीं थे, इसलिए उन्होंने सीधे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) से संपर्क कर मामले की

गुलमर्ग रोपवे में जिंदगी और मौत की जंग

थम गया।

सहम गए मासूम: हवा में अचानक केबल कार रुक जाने से पर्यटकों में हड़कंप मच गया। कई फीट की ऊंचाई पर खड़ी ट्रॉलियों में बंद बच्चे और बुजुर्ग डर के मारे कांपने लगे।

आंसुओं में बदला रोमांच: जो सैलानी कुछ देर पहले तक वादियों का मजा ले रहे थे, वे अचानक आए इस संकट से घबराकर रोने और भगवान को याद करने लगे। ट्रॉलियों के अंदर से लोगों के रोने-चिल्लाने की आवाजें आ रही हैं।

सेना और पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना तुरंत हरकत में आ गई है। मौके के हालात: स्थिति की गंभीरता को देखते हुए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन

BJP का नितिन पटेल की पॉलिटिक्स खत्म कहने वाले कॉर्पोरेटर को ‘कारण बताओ’ नोटिस: पार्टी में गरमागरम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। की पॉलिटिक्स से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक कॉर्पोरेटर पर BJP के सीनियर लीडर और पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर नितिन पटेल के खिलाफ विवादित कमेंट करने का आरोप लगा है। BJP हाईकमान ने सख्त रख अपनाते हुए पार्टी के उस कॉर्पोरेटर को ‘कारण बताओ’ नोटिस जारी किया है जिसने यह बयान दिया था कि नितिन पटेल की पॉलिटिक्स खत्म हो गई है। इस घटना के बाद BJP की अंदरूनी पॉलिटिक्स में काफी गरमागरम माहौल बन गया है।

शिकायत दर्ज करा दी।
ट्रेपिंग की तारीख: 25 मई 2026 (आज)
गुने का स्थान: कर्मयोगी भवन के सामने, सार्वजनिक सड़क पर, गांधीनगर।
रंगे हाथों गिरफ्तारी: शिकायत के आधार पर ACB ने आज ही के दिन जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी राजदीपसिंह चावडा ने शिकायतकर्ता से रिश्तत के संबंध में हेतुलक्ष्मी (स्पष्ट) बातचीत की और 45,000 रुपये नकद स्वीकार किए, वैसे ही ताक में बैठी ACB की टीम ने उसे दबोच लिया। ACB ने रिश्तत की पूरी रकम (45,000 रुपये) मौके पर ही बरामद कर ली है। आरोपी ने अपने लोक सेवक (Government Servant) के पद का दुरुपयोग कर आपराधिक दुराचार किया है, जिसके तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

शुरू कर दिया गया है। सेना के जांबाज जवान और पुलिसकर्मी बेहद विषम परिस्थितियों में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित

बाहर निकालने की कोशिशों में जुटे हैं। रोपवे के तकनीकी स्टाफ को भी खराबी

को जल्द से जल्द ठीक करने के काम में लगाया गया है ताकि ट्रॉलियों को धीरे-धीरे सुरक्षित स्टेशनों तक लाया जा सके।

प्रशासन की अपील: घबराएं नहीं

स्थानीय प्रशासन और बचाव दल लगातार फंसे हुए पर्यटकों से संपर्क साधने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें ढाढस बंधा रहे हैं कि वे घबराएं नहीं, हर एक नागरिक को सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। फिलहाल, पूरे देश की निगाहें गुलमर्ग के इस रेस्क्यू ऑपरेशन पर टिकी हुई हैं और लोग पर्यटकों की सलामती को दुआएं मांग रहे हैं।

BJP के आदेश पर संबंधित पार्श्व को नोटिस भेजकर पूछा गया है कि इस अनुशासनहीन व्यवहार के लिए उनके खिलाफ सजा वाली कार्रवाई क्यों नहीं की गई? और इस बयान के पीछे उनका क्या इरादा था?
सूत्रों के मुताबिक:
BJP में अंदरूनी लोकतंत्र है, लेकिन पार्टी के सीनियर नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से इस

तरह की टिप्पणियां अनुशासन तोड़ने की परिभाषा में आती हैं। आने वाले दिनों में इस पार्श्व के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा सकता है। ‘ इस नोटिस के बाद संबंधित पार्श्व और उनके समर्थकों में खलबली मच गई है। अब देखना यह है कि यह पार्श्व पार्टी को क्या सफाई देता है और क्या BJP संगठन इसे मानता है या फिर उसे पार्टी से सस्पेंड किया जाता है।

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर से आज सुबह एक बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक खबर सामने आई है। देश के लोकप्रिय कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा के अमृतसर स्थित आवास पर अज्ञात हमलावरों द्वारा फायरिंग की गई है। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।
महानगर मेट्रो ब्यूरो
बाइक पर आए थे हमलावर
प्राप्त विवरण के अनुसार, आज तड़के जब पूरे इलाके में शांति थी, तभी एक चितोजनक खबर सामने आई है। हमलावरों की पहचान के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। यह हमला किस इरादे से किया गया है-फिरोती (रैसम) के लिए या फिर किसी आपसी रंजिश के चलते-यह अभी तक पूरी तह साफ नहीं हो पाया है।

पुलिस छावनी में बदला इलाका, जांच तेज
फायरिंग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के आला अधिकारियों सहित भारी पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरे इलाके को सील कर दिया है। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड की मदद से घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारी का बयान:
‘हमने मामले को गंभीरता से लेते हुए आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। हमलावरों की पहचान के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। यह हमला किस इरादे से किया गया है-फिरोती (रैसम) के लिए या फिर किसी आपसी रंजिश के चलते-यह अभी तक पूरी तह साफ नहीं हो पाया है।

3 आवारा कुत्तों ने मासूम बच्चे पर झपट्टा मारा, 40 सेकंड तक घसीटा और 10 फीट तक काटा!



महानगर मेट्रो ब्यूरो
सूरत: सूरत शहर में आवारा कुत्तों का आतंक दिन-ब-दिन बेकाबू होता जा रहा है। शहर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसका CCTV फुटेज देखकर कोई भी कांप जाएगा। एक सोसाइटी के बाहर खेल रहे मासूम बच्चे पर अचानक तीन आवारा कुत्ते झपट पड़े। कुत्तों ने बच्चे को काटा और करीब 10 फीट तक सड़क पर घसीटते रहे। 40 सेकंड तक मौत का तांडव, घटना CCTV में कैद CCTV फुटेज के मुताबिक, मासूम बच्चा घर के पास अकेला था जब तीन खूंखार कुत्तों ने उसे घेर लिया। इससे पहले कि बच्चा कुछ समझ पाता, कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। कुत्ते करीब 40 सेकंड तक बच्चे का पीछा करते रहे और उसे बेरहमी से घसीटते रहे। बच्चे की चीखें सुनकर आसपास के लोग और परिवार वाले तुरंत लाठी-डंडे लेकर दौड़े और मुश्किल से बच्चे को कुत्तों के मुंह से बचाया।



महोद। तालुका पंचायत के चुने हुए सदस्यों की पहली जनरल मीटिंग झालोद तालुका पंचायत के मीटिंग हॉल में इलेक्शन ऑफिसर ए.ए. कृष्णा, और डिप्टी इलेक्शन ऑफिसर नानजीभाई राठवा की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में तालुका पंचायत के सभी 20 सदस्य मौजूद थे। मीटिंग के दौरान, BJP की ओर से प्रेसिडेंट और वाइस प्रेसिडेंट समेत अलग-अलग पोस्ट के लिए पेश किए गए उम्मीदवारों के नामों को सभी सदस्यों ने एकमत से मंजूरी दे दी। नतीजातन, सुरेश कटारा प्रेसिडेंट और तेजलबेन भामोर वाइस प्रेसिडेंट बिना किसी विरोध के चुन ली गईं। इसके अलावा, खीमाबेन चौहान को एकमत से एग्जीक्यूटिव चेयरमैन, राजेश खिंगाड़ा को पार्टी लीडर और पटिवनाबेन भूरिया को पब्लिक बेयरर चुना गया। नए पदाधिकारियों के चुने जाते ही तालुका पंचायत परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। समर्थकों ने पारिषद फोड़कर, ढोल और DJ की धुन पर नाचकर जश्न मनाया। जीतने वाले पदाधिकारियों को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर भाई दी गईं। BJP समर्थकों ने एक बड़ा विजय जुलूस भी निकाला। विजय जुलूस के दौरान, नए चुने गए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने अन्य नेताओं के साथ डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति पर माला चढ़ाई और श्रद्धांजलि दी। उसके बाद, नए चुने गए अध्यक्ष सुरेश कटारा मंडलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे और भोलेनाथ से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर पूर्व MP बाबूभाई कटारा, भावसिंगभाई वाघेला, नरेंद्र सोनी, शीतलबेन वाघेला, भरत श्रीमाली, पंकज अग्रवाल, भरत सोलंकर, झालोद तालुका BJP अध्यक्ष सुरेश भामोर समेत BJP नेता, नारा पाषाण और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

जालो। सांसद में सक्रिय भागीदारी, जनहित के मुद्दों पर जो मजबूती से उठने को लेकर जालोर सिरोही के जलोरीलोकप्रिय सांसद लुम्बाराम चौधरी को आने वाले सत्र में सांसदसम्मानित किया जाएगा। इस साल के सांसद रत्न पुरस्कृत के लिए 12 सांसदों और 4 संसदीय समितियों का चयन किया गया है। इस साल चुने गए चेहरों में देश के केंद्र, राज्य और अनुभवी राजनेता शामिल हैं। उससे से जालोर जलोरी सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी का भी नाम है। यह पुरस्कृत जालोर सिरोही के इतिहास में पहली बार मिल रहा है उसको लेकर जालोर सिरोही लोकसभा क्षेत्र के आमजन में अत्यंत ही हर्ष का विषय है। सांसद और यहकृत जलोरीलोकप्रिय सांसदों को प्रोत्साहित करना और जन्ता के बीच संसदीय और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संघ में खास प्रिष्ठित रहते हैं। इसका मकसद पुरस्कृत सांसदों को प्रोत्साहित करना और जन्ता के बीच संसदीय और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संघ में खास प्रिष्ठित रहते हैं। इसका मकसद पुरस्कृत सांसदों को प्रोत्साहित करना और जन्ता के बीच संसदीय और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने के लिए संघ में खास प्रिष्ठित रहते हैं।

अब्दुल कलाम के सुझाव पर इस पुरस्कार की शुरुआत की गई थी। उनका कहना था कि जो सांसद अच्छा करते हैं, जो बिना किसी बाधा के बहसों और नीति-निर्माण में

महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, उन्हें नागरिक समाज द्वारा मान्यता मिलनी चाहिए। उनका मानना था कि कार्यकुशल संसदों की मेहनत को, जो बिना किसी बाधा के बहनों और नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, इसी सोच ने 15 वर्षों में 15 संस्करणों के दौरान पुरस्कारों का मादार्शित किया है। स्थापना के बाद से संसद रत्न पुरस्कार पारदर्शिता और संसदीय उत्कृष्टता की एक प्रतिष्ठित संस्था के रूप में विकसित हुए हैं। फाउंडेशन ने अब तक व्यक्तिगत संसदीय और संसदीय प्रतिक्रिया सहित कुल 143 पुरस्कार प्रदान किए हैं। इन पुरस्कारों को इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता प्राप्त है। संसद रत्न पुरस्कार के लिए चयन होना भारतीय लोकतंत्र में बेहद गर्व की बात है। यह चयन प्रक्रिया उन संसदों और समितियों को देश के सामने लाती है, जिन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के सदनों के भीतर नीतिगत चर्चाओं और जनहित के कार्यों में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है। चूंकि ये सभी विजेताओं को आने वाले दिनों में आयोजित हो रहे वाले एक भव्य समारोह में इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी से

सम्मानित किया जाएगा। लोकसभा में सांसद चौधरी की 18 वीं लोकसभा के पहले सत्र में 100 प्रतिशत, शीतकालीन सत्र 2024 में 100 प्रतिशत, बजट सत्र 18 वीं लोकसभा 2024 में 100 प्रतिशत, बजट सत्र 2025 में 92 प्रतिशत, शीतकालीन सत्र 2025 में 93 प्रतिशत, मानसून सत्र 2025 में 100 प्रतिशत, बजट सत्र 2026 में 100 प्रतिशत उपस्थिति रही। इसी तरह चौधरी ने लोकसभा में कुल 3 बिज पेश किए, एवम कुल 246 प्रश्न व 36 डिबेट में भाग लिया। सांसद चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि गौरव रत्न पुरस्कार से सम्मानित होना मेरे लिए अत्यंत गौरव की बात है। जनता के अद्भुत विश्वास के बल पर मैं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुआ हूँ। मैं हमेशा उनके विश्वास और समर्थन को साथ रखकर कार्य करूंगा। लोकसभा क्षेत्र के सभी लोगों का है। इसके साथ ही, मैं भारतीय जनता पार्टी एमन सीट नैतिक का भी आधार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझे मौका दिया है। हमेशा मुझ पर विश्वास किया। मेरे सभी साथी संसदीय कर्मचारियों की हादिक धन्यवाद, जो हमेशा मेरे साथ रहे। आपके विश्वास के योग्य होने के लिए मैं अत्यंत आभारी हूँ और लगन से काम करना जारी रखूँगा।

छासवाला का नया लुक: कस्टमर को परोसा गया स्पेशल 'कॉकरोच' मिल्क शेक!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भले ही 'काँकरीच जनता पार्टी' ने देश और दुनिया में हंगामा मचाया हो, लेकिन अहमदाबाद के मशहूर देसी ब्रांड 'छासवाला' ने इस मामले को कुछ ज्यादा ही सीरियसली ले लिया है।

यहाँ की चिलचिलती गर्मी के मौसम में ठंडा होने के लिए ब्रांडेड आउटलेट का सहारा लेने वाले एक कस्टमर के लिए अब हैशन करने वाले सामने सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक लड़की का नाम चैकाने वाला मामला अहमदाबाद के पॉपुलरिटीक्विक चार रास्ता में मौजूद 'छासवाला' स्टोर से सामने आया है। यहाँ एक कस्टमर ने मनचाहा ठंडा होने के लिए प्रीमियम 'काजू अंजीर मिल्क शेक' ऑर्डर

किया था। कस्टमर बस अपने मिल्क शेक का एक घूंट लेने ही वाला था कि काजू और अंजीर की जगह गिलास के अंदर एक पूरा 'काँकरोच' तैरता हुआ दिखा! बांडेड और महंगे मिल्क शेक में से काँकरोच निकलते ही कस्टमर अपना आपा खो बैठा और स्टोर अधिकारियों पर अपना गुस्सा निकाला।

सेहत से किस हद तक समझौता किया जा सकता है?

एक मशहूर ब्रांड के नाम पर मोटी रकम
वसूलने वाले 'छासवाला' आउटलेट में
साफ-सफाई की इतनी खराब हालत



देखकर कस्टमर्स में बहुत गुस्सा है। गर्मी से राहत पाने गए कस्टमर ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि उसे ऐसा 'स्पेशल गिफ्ट' मिलेगा। अब देखना यह है कि फूड एंड ड्रग्स डिपार्टमेंट इस आउटलेट के खिलाफ क्या सख्त एक्शन लेता है!

‘बेटी को खोने से बेहतर है उसका तलाक़शुदा होना’: सासू मां पर जांच भटकाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हमदाबाद। घरेलू हिंसा और पारिवारिक
 विवादों से जुड़े एक बेहद संवेदनशील
 मामले की सुनवाई के दौरान अदालत से
 काफ़ी बड़ा और दूरगामी संदेश देने वाला
 न्यायन सामने आया है। मामले की गंभीरता
 को देखते हुए सॉलिडिस्टर जनरल (स्व) ने
 बेहद सख्त और भावुक टीप्पणी की है।
 उन्होंने कहा कि वैवाहिक जीवन में किसी
 अनहोनी या ऐसी दर्दनाक घटना के होने से
 गौ कहीं बेहतर है कि पति-पत्नी के बीच
 तलाक़ (छूटाछेड़ा) हो जाए। स्व ने जोर
 देते हुए कहा कि माता-पिता के लिए उनकी
 काफ़ी तलाक़शुदा बेटी का जीवित होना, उसे
 प्रेमेशा के लिए खो देने से कई गुना बेहतर
 है। **राज्य सरकार का बड़ा आरोप:** सासू
 मां पैदा कर रही हैं जांच में बाधा इस चर्चित
 मामले में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार
 की ओर से पेश हुए सरकारी वकील ने

‘लिविशा’ (पीड़िता) के ससुराल पक्ष पर असहयोग का सीधा आरोप लगाया है। सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच में ‘लिविशा’ की सासू मां लगातार अड़चनें पैदा कर रही हैं और मुख्य तथ्यों को छिपाने या जांच को भटकाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस प्रशासन इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के मूढ़ में है, लेकिन ससुराल पक्ष के दुलमुल रवैये के कारण कड़ियां जोड़ने में वक्त लग रहा है।

समाज को आइना दिखाती कोर्ट की टिप्पणी

अदालत में हुई इस बहस ने आज के दौर में वैवाहिक रिश्तों में बढ़ते तनाव और बेटियों पर होने वाले मानसिक-शारीरिक उत्पीड़न के मुद्दे को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है। स्त की इस टिप्पणी को कानूनी गलियारों में एक ऐतिहासिक नजरिए के रूप में देखा

जा रहा है, जो यह संदेश देता है कि सामाजिक लोकलाज के डर से किसी बेटी को खोने के बजाय उसे वापस अपने घर स्वीकार करना ज्यादा जरूरी है।

अदालती कार्यवाही का मुख्य अंश:

कानून और समाज दोनों का पहला उद्देश्य किसी नागरिक और विशेषकर एक बेटी की जान की रक्षा करना है। अगर कोई रिश्ता उस स्तर पर पहुंच जा जहां जान का खतरा हो, तो वहां अलगवाह (तलाक) ही सही रास्ता है। हाईकोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई में राज्य सरकार द्वारा पेश की जाने वाली नई स्टेटस रिपोर्ट और सासू मां के खिलाफ लगे आरोपों पर गौर करेगी। पूरा शहर अब इस मामले में विश्वास को न्याय मिलने का इंतजार कर रहा है।

भीममाल में खौफनाक वारदात से आक्रोश: मुख्य बाजार में युवक पर जानलेवा हमले के खिलाफ उमड़ा जनसैलाब, प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीमनाम । शहर के मुख्य बाजार में एक यूवक पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में सोमवार को भीमनाम पूरी तरह सुलग उठा। देवारी समाज सहित सर्वसमाज (36 कौम) के हजारों लोग भीषण गर्मी की परवाह किए बिना उपखंड कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। आक्रोशित भीड़ ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। इस दौरान मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर पूजा सक्सेना को ज़ापन सीपकर अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की गई। सर्वसमाज ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि दो दिन (48 घंटे) के भीतर सभी नामजद आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो पूरे क्षेत्र में उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।

'अपराधा का काँड़ जाति नहीं होता,
भीनमाल में भय का माहौल'

धरने को संबोधित करते हुए रानीवाड़ा विधायक रतन देवासी ने कहा कि युवक पर हुआ यह हमला बेहद निंदनीय है। किसी भी विवाद का समाधान कानून के दायरे में



हीना चाहिए, न कि हिंसा से। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दो जातियों का झगड़ा नहीं, बल्कि अपराध के खिलाफ सर्वसमाज की लड़ाई है। भीनमाल विधायक डॉ. समरजीत सिंह राठौड़ ने बीच बाजार हुई इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी वारदातें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पूर्व मन्त्री पालिका अध्यक्ष सावलाराम देवासी ने कहा कि अपराधियों को कोई जाति नहीं होती। रमेश सोनी पुनासा ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस घटना से आमजन में भय व्याप्त है और अब भीनमाल उपरक्षित महसूस नहीं कर रहा है। सोमवार सुबह से ही उपखंड कार्यालय के बाहर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। देखते ही देखते परिसर के बाहर जनसंख्या बढ़कर पड़ा। बिगड़ते माहौल और संश्ल

व्यवस्था को भांपते हुए प्रशासन ने मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद लोग इंसाफ की मांग को लेकर धरना स्थल पर डटे रहे।

इन्होंने भी किया संबोधित

विरोध प्रदर्शन के दौरान ओमप्रकाश खेतावत जयरूपाराम माली, शेखर व्यास, हरिसिंह सोलंकी, जोरावर सिंह राव, भरत सिंह भोजनी, सुरेश बंजारा, संजीव माथुर, भरत सिंह राव, स्वामी दिव्य स्वरूपदास महाराज,दिनेश दवे, मनोज गुप्ता, भंवरलाल खोली और जोगाराम चौधरी,हाजी सतार खान, मुस्ताक खान, सतीश सेन सहित कई वरिष्ठ नेताओं और समाजसेवियों ने सभा को संबोधित किया। इस मौके पर हक्सिंह राव, ओमप्रकाश महेश्वरी, विजय सिंह राव, डॉ पांचाराम देवासी,सीएल गहलोत, जयन्तीलाल घांची,सरदाराम माली, संधीप देसाई, डॉ वरदाराम देवासी,श्रवण सिंह राव,पारस घांची, महेंद्र जीनगर,जगदीश प्रसाद, सुरेश नामा,जबरा राम भाटी,परबत सिंह राव, रामलाल माली, मेघाराम सहित छत्तीसगढ़ कौम के सैकड़ों प्रबुद्ध लोग और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीज़ल की बढ़ती कीमतों से अंकलेश्वर समेत इंडस्ट्रियल इलाकों में चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अंकलेश्वर। पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतें अब अंकलेश्वर समेत इंडस्ट्रियल इलाकों में चलाका का विषय बन गई हैं। कच्चे माल और तैयार माल का ट्रांसपोर्टेशन महंगा होने के कारण ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने इंडस्ट्रीज से ट्रांसपोर्टेशन खर्च में करीब 10 परसेंट की बढ़ोतरी की मांग की है। वहीं, बिजली कंपनी द्वारा की जा रही बिजली कटौती के कारण इंडस्ट्रीज को जनरेटर चलाने पड़ रहे हैं, जिसमें डीजल की बढ़ती कीमतों और बोझ डाल रहा है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर अंकलेश्वर समेत इंडस्ट्रियल इलाकों की इंडस्ट्रीज पर देखा जा रहा है। इंडस्ट्रियलस्टिक के मुताबिक, कच्चा माल फैक्ट्री तक पहुंचाने और तैयार माल को दूसरे शहरों और राज्यों में भेजने का खर्च लगातार बढ़ रहा है। बढ़ते फ्यूल खर्च को ध्यान में रखते हुए ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने इंडस्ट्रीज पर ट्रांसपोर्टेशन चार्ज लगा दिया है। चार्ज में करीब 10 परसेंट की बढ़ोतरी की गई है। ट्रांसपोर्टर्स का कहना है कि डीजल की बढ़ती कीमत के बीच मौजूदा रेट पर बिजनेस चलाना मुश्किल हो गया है।

मेघदूत नगर में पत्नी की हत्या के बाद पति ने आत्महत्या की थी और सुसाइड नोट में ब्लैकमेलर का था जिक्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इन्दौर। हीरानगर इलाके के मेघदूत नगर में पत्नी रोशनी की हत्या करने के बाद पति हल्के वॉर पटेल ने आत्महत्या कर ली थी, उसने एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें दोनों के बीच आए तीसरे शख्स सतीश का जिक्र किया था, पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर सतीश की तलाश कर रही थी, लेकिन उसने भी जान दे दी। बताया जा रहा है कि सतीश पीथमपुर में रहता था। जब उसकी तलाश के लिए टीम पहुंची तो वह वहां से भाग गया। बाद में वह खंडवा जिले के पंधाना के पास पैतृक गांव घाटाखेड़ी पहुंचा और जहरीला पदार्थ खा लिया। गांव वाले उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई, जब सतीश को दंपति के बारे में जानकारी लगी तो वह स्क्वैडर से नाबालिग भांजी के साथ गांव के लिए निकल गया था। उसके गांव जाने के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं।



दैनिक राशिफल

26 मई 2026, मंगलवार

आपका दिन शुभ हो



राशि	आपका का राशिफल	रंग	लुप्त अंक	विशेष उपाय	
	1. मेष (Aries) अविनाश लाभ के योग है। गुरु द्वारा पुनराज के लिए दिन अच्छा है।		9		हनुमान जी को मंदिर पधारो और शिवजी का पूजा करो।
	2. वृष (Taurus) भागी पर विचारण रखो। कार्यक्षेत्र में सफल अधिकारी से सहयोग लीजिए।		6		पुण्य तीर्थ को जायें प्रणाम करें।
	3. मिथुन (Gemini) योग में सुधार रहे। परिवार के साथ सख्ती बना के सोच न हो रहे।		5		विष्णु मंदिरमा का पूजा करें।
	4. कर्क (Cancer) मानसिक तनाव से बचें। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखना अच्छी है।		2		घंटा की जल अर्पित करें। "ॐ शिवाय नमः" का जप करें।
	5. सिंह (Leo) व्यवहार में सुधारा होगा। जीवनसाथी के साथ संबंध और गहरे होंगे।		1		सूर्य को जल अर्पित करें और अशुभ हस्त नक्षत्र का पूजा करें।
	6. कन्या (Virgo) पुनर्विवाह मामलों में सफलता मिलेगी। रुको हुए काम जल्द पूरे होंगे।		5		गोत्र की कुटी पढ़नी और लाल धातिका का पूजा करें।
	7. तुला (Libra) सपनों के लिए दिन शुभ है। सहयोगी के साथ शुभ कार्याभिमन मिल सकता है।		1		अमृत की पी कर आभार करें और "ॐ सरस्वती नमः" का जप करें।
	8. वृश्चिक (Scorpio) परमार्थ और आध्यात्मिक बढ़ेगा। सहोदरी की को चला करवावे रहेगी।		9		मैं तुम्हें लाल पुष्प अर्पित करें और बीज का जप करें।
	9. धनु (Sagittarius) परमार्थ और आध्यात्मिक बढ़ेगा। सहोदरी की को चला करवावे रहेगी।		3		भांगमणि की जल चढ़ाएं और "ॐ नमः शिवाय" का जप करें।
	10. मकर (Capricorn) सब सफल करने में सफल रहेगी। मैंगमाल के आभार से पै में खुशी रहेगी।		8		गण को तुम शिवजी और शक्ति का जप करें।
	11. कुम्भ (Aquarius) सहयोगी का सफल बढ़ेगा। सहयोगी का भी सफल बढ़ेगा।		4		शिव जी को लाल पुष्प अर्पित करें और लाल धातिका का जप करें।
	12. मेष (Pisces) कर्मों में बदलाई हो सकती है। कोई भी बात फल-सफलता करवावे रहेगी।		7		पुण्य तीर्थ को जायें प्रणाम करें। "ॐ नमः शिवाय" का जप करें।

आपका राशि विशेष संकेत

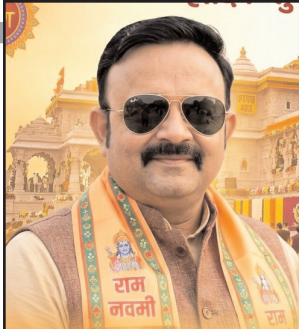


रंग, संकेत और सकारणात्मक योगों की सलाह की कुंजी है। विश्व पर विचारण रखें, आभार का प्रसारण करवावे और दिन शुभ कार्याभिमन रहे।

नोट: ये राशिफल सामान्य ज्योतिषीय ज्ञान पर आधारित है। ज्योतिषीय परिणाम अंशों के अनुसार बदल सकते हैं।

ॐ

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महनगर मेट्रो

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वाशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा।

संपादकीय

रुपये की गिरावट

यू देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दर्शाता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निमाता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का मुद्दा खते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलतः अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रज़ान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं।

चितन-मन

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दर्जे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दर्जे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ अवतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दर्जे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आई। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दिवाली है। दिवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को नितल्ले नहीं बैठना है। तभी अवतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर अवतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सहयोगी देशों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वाशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रूबियो ने अपने भारत दौरें में ताजमहल के दौरार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वाशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि समीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी



जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचना रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वाशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणां और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा। लेकिन इस साझेदारी की असली लक्ष्य भरोसे पर होगा। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया : आम आदमी पर महंगाई की मार

रोज का सिरदर्द बन चुका है। कमाई वही है, लेकिन खर्चें रिकेट की रफ्तार से भाग रहे हैं।

साल 2014 में जब देश में मोदी सरकार आई थी, तब हर तरफ एक ही चर्चा थी कि अब महंगाई के दिन खत्म होने वाले हैं। बहुत हुई महंगाई की मार वाला नारा तो सबको याद ही होगा। तब लोगों को लगा था कि चलो, अब कोई ऐसी सरकार आई है जो रसोई गैस, दाल, तेल और पेट्रोल-डीजल के दाम कम करके आम जनता को चैन की सांस देगी। लेकिन आज इतने साल बीतने के बाद जब हम अपनी जेब देखते हैं, तो लगता है कि राहत की उम्मीद करना ही बेकार था। राहत मिलना तो दूर, अब तो गुजारा करना भी भारी पड़ रहा है। तेल के दाम बढ़ने का मतलब सिर्फ गाड़ी में महंगा पेट्रोल डालना नहीं होता। डीजल महंगा होते ही ट्रक और गाड़ियों का किराया बढ़ जाता है। इसका सीधा असर हमारे घर के राशन और रसोई पर पड़ता है। तो सब्जियां, दाल, दूध और अनाज मंडियों से हमारे घर तक आते हैं, उन सब की कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं। हाल ही में सरकार ने जो खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक देश की महंगाई दर 3.48% पर है। लेकिन इसी सरकारी आंकड़े में खोने-

पोने की चीजों की महंगाई 4.20% से भी ऊपर चल रही है। सरकार भले ही टीवी और अखबारों में आंकड़ों का खेल दिखाकर यह कहे कि सब कुछ नियंत्रण में है, लेकिन बाजार जाकर जब जेब से पैसे ढीले होते हैं, तब असली हकीकत समझ आती है। जो सामान कुछ महीने पहले जितने में आता था, आज उतने पैसे में आधा सामान भी नहीं मिल रहा। लोहारों की खुशियां मनाने के बजाय अब लोग महीने का खर्च देखकर डरने लगे हैं।परेशानी सिर्फ खाने-पोने की चीजों तक ही रुकी हुई नहीं है। घर का गैस सिलेंडर आज हजार रुपये के पार पहुंच चुका है। इसके ऊपर से बच्चों की स्कूल फीस, बिजली का बिल और बीमारी के समय दवाइयों का खर्च अलग से कमर तोड़ देता है। सरकारी अस्पताल हो या प्राइवेट, हर जगह इलाज और दवाइयां आम आदमी के बजट से बाहर हो चुकी हैं। नैकरीपेक्षा लोगों की सैलरी सालों-साल उतनी ही रहती है, लेकिन बाजार की हर चीज महंगी होती जा रही है। महीने की दस या पंद्रह तारीख आते-आते मध्यमवर्गीय लोग पैसे गिनने लगते हैं कि बाकी का आधा महीना कैसे कटेगा।जब भी इस पर बात होती है, तो सरकार की तरफ से कह दिया जाता है कि दुनिया भर में मंदी है या

भारत की कृषि आत्मा को समर्पित जनसेवा प्रसारक का स्वर्णिम अध्याय

सूचना से सशक्त' बनाना था।वही कारण है कि डीडी किसान ने खेती को परंपरागत सीमाओं से निकाल कर आधुनिक विज्ञान,तकनीक और बाजार व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया।भारत दुनिया की सबसे बड़ी कृषि अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।ऐसे विशाल कृषि समाज के लिए समर्पित राष्ट्रीय चैनल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।डीडी किसान ने इस आवश्यकता को पूरा करते हुए किसानों तक उपयोगी और वैज्ञानिक जानकारी पहुंचाने का सशक्त माध्यम तैयार किया।डीडी किसान को सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने किसानों को 'सूचना का अधिकार' व्यवहारिक रूप में प्रदान किया। वर्षों तक किसान केवल स्थानीय अनुभवों और सीमित जानकारी पर निर्भर रहते थे,लेकिन इस चैनल ने खेती को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने की नई सोच विकसित की। मौसम आधारित खेती,जल संरक्षण,ड्रिप इरिगेशन,प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरकों का उपयोग, फसल विविधीकरण, मधुमक्खी पालन,मत्स्य पालन,डेयरी उद्योग और कृषि आधारित स्वरोजगार जैसे विषयों को लगातार प्रमुखता दी गई।चैनल के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मौसम खबर'और'मंडी समाचार' किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए।'मौसम खबर' में विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार मौसम पूर्वानुमान और फसल आधारित सलाह दी जाती रही, जबकि 'मंडी समाचार' ने किसानों को विभिन्न मंडियों के भाव और बाजार की जानकारी देकर बेहतर निर्णय लेने में सहायता प्रदान की।डीडी किसान ने किसानों को खेती की बदलती तकनीकों से भी जोड़ा। आज देश का किसान मोबाइल एप, ड्रोन तकनीक,मिड्री परीक्षण, माइक्रो इरिगेशन,डिजिटल मंडी और प्राकृतिक खेती जैसे आधुनिक कृषि शब्दों से परिचित है।इस जागरूकता के पीछे जनसंचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है,जिसमें डीडी किसान अग्रणी रहा।चैनल ने केवल खेती तक अपने कार्यक्रम सीमित नहीं रखे, बल्कि ग्रामीण जीवन के व्यापक विकास को भी केंद्र में रखा।महिला स्वयं सहायता समूह,ग्रामीण उद्यमिता, डिजिटल भुगतान,कौशल विकास,ग्रामीण स्वास्थ्य,शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों को

भी प्रमुखता दी गई।वही कारण है कि यह चैनल 'कृषि चैनल' से आगे बढ़कर 'ग्रामीण भारत का विकास चैनल' बन गया।डीडी किसान की एक प्रेरक पहल 'सफल किसान' कार्यक्रम रहा। इसमें देशभर के उन किसानों की कहानियां दिखाई गईं जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक तकनीक अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।किसी किसान ने जैविक खेती से लाखों की आय अर्जित की, तो किसी ने मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन को रोजगार का माध्यम बनाया।इन वास्तविक कहानियों ने लाखों किसानों के भीतर आत्मविश्वास जागाया।भारत में दूरदर्शन की परंपरा स्वयं अत्यंत गौरवशाली रही है।वर्ष 1967 में शुरू हुआ 'कृषि दर्शन' कार्यक्रम भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले कार्यक्रमों में गिना जाता है।डीडी किसान ने उसी परंपरा को आधुनिक स्वरूप और 24 घंटे की निरंतरता प्रदान की।डीडी किसान की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने कृषि वैज्ञानिकों,शोध संस्थानों और किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया।कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों से जुड़े विशेषज्ञों को मंच देकर चैनल ने वैज्ञानिक शोध को खेतों तक पहुंचाने का कार्य किया।इससे 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को मजबूती मिली।आज डिजिटल मीडिया के युग में भी डीडी किसान का महत्व कम नहीं हुआ है।देश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी दूरदर्शन और डीडी प्री डिश की पहुंच अत्यंत व्यापक है।सीमित संसाधनों वाले किसान परिवारों तक निःशुल्क पहुंचने की क्षमता ने इस चैनल को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया है।वही इसकी सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है।ग्रामीण भारत में आज भी ऐसे लाखों परिवार हैं जहाँ निजी डिजिटल प्लेटफॉर्म या महँगे चैनल उपलब्ध नहीं हैं,लेकिन डीडी किसान उनके घर तक पहुंचता है।वही कारण है कि इसकी विश्वसनीयता लगातार बनी हुई है।डीडी किसान ने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को लोकप्रिय बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।पिछले कुछ वर्षों में रसायन मुक्त खेती,देसी बीजों के संरक्षण और मोटे अनाज यानी मिलेट्स के प्रति बढ़ती जागरूकता में जनसंचार माध्यमों की बड़ी भूमिका रही है।चैनल ने लगातार मिलेट्स, गो आधारित खेती

सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है।

संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने दौर के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रूबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रूबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वॉड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होगा। रूबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिशतों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बनाने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।

कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। ठीक है, दुनिया की बातें अपनी जगह हैं, लेकिन जनता यह भी तो देखती है कि जब बाहर कच्चे तेल के दाम कम होते हैं, तब हमारे यहाँ पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं होता? सरकार भारी-भरकम टैक्स और सेस लगाकर अपना खजाना भरने में लगी है और उसका पूरा बोझ सीधे उस जनता पर आ रहा है जो पहले से ही पाई-पाई के लिए परेशान है।

आखिर में सवाल यही घूम-फिर कर आता है कि क्या वे अच्छे दिन सिर्फ चुनाव जीतने के वादे थे? लोगों ने बड़ी उम्मीद से वोट दिया था कि उनकी जिंदगी थोड़ी आसान होगी। लेकिन आम सच यह है कि सुबह की चाय से लेकर रात की रोटी तक, हर चीज पर महंगाई का हथौड़ा चल रहा है। अब लोग बुनियादी जरूरतों में कटौती करने लगे हैं - कोई दूध कम ले रहा है, तो कोई बच्चों की ट्यूशन बंद कर रहा रहा है। सरकारी को अब यह कागजी आंकड़े छोड़ देने चाहिए और जमीन पर आकर देखना चाहिए, क्योंकि जब तक आम आदमी की थाली सस्ती नहीं होगी, तब तक तरक्की की सारी बातें बेकार हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

और पर्यावरण संतुलन जैसे विषयों को प्रसारित कर कृषि को सतत विकास से जोड़ने का प्रयास किया।जल संकट और बदलते जलवायु परिदृश्य को देखते हुए चैनल ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप',सुरक्ष सिंचाई और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को भी प्रमुखता दी।खेती में पानी बचाने की तकनीकों पर आधारित कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में काफी लोकप्रिय हुए।डीडी किसान ने ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा देने और पहचान दी।खेतों से लेकर पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।चैनल ने महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों की सफलता की कहानियों को सामने लाकर उन्हें प्रेरणा का स्रोत बनाया। वैश्विक महामारी कोविड- 19 महामारी के दौरान डीडी किसान किसानों के लिए भरोसेमंद सूचना माध्यम बनकर उभरा। लॉकडाउन के समय किसानों के सामने फसल कटाई,श्रमिक संकट और परिवहन जैसी समस्याएँ थीं।उस समय चैनल ने किसानों तक आवश्यक जानकारी पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।उस दौर में वह चैनल ग्रामीण भारत की सूचना जीवनरेखा बन गया था।तकनीकी दृष्टि से भी डीडी किसान ने समय के साथ स्वयं को बदला है।हाल के वर्षों में चैनल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और आधुनिक प्रस्तुति शैली को अपनाया।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एआई एंकर 'एआई कृष' और 'एआई भूमि' की शुरूआत ने इसे तकनीकी नवाचार की दिशा में भी अग्रणी बना दिया।वह इस बात का संकेत है कि भारतीय कृषि संचार भी तेजी से डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ रहा है।डीडी किसान की 11 वर्षों की यात्रा वास्तव में भारतीय कृषि संचार क्रांति की कहानी है।वह यात्रा केवल एक चैनल की सफलता नहीं, बल्कि उस सोच की सफलता है जिसमें किसान को राष्ट्र निर्माण का केंद्र माना गया।आज भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में कृषि क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला किसान ही हैं।इसलिए किसानों को सशक्त बनाना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है।



अनिल अंबानी की रिलायंस पावर मुनाफे से घाटे में आई, लुढ़कर कर आधे हुए शेयर

नई दिल्ली।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर मुनाफे से घाटे में आ गई है। अनिल अंबानी की पावर कंपनी को 31 मार्च 2026 को खत्म हुई चौथी तिमाही में 494 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में रिलायंस पावर को 125.57 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ था। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में गिरावट के साथ 26.67 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से आधे से ज्यादा लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 11 जून 2025 को 76.49 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 25 मई को 26.67 रुपए पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 9 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले 6 महीने में रिलायंस पावर के शेयर 28 फीसदी से ज्यादा टूट गए हैं। इस साल अब तक रिलायंस पावर के शेयरों में 23 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। रिलायंस पावर के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 95 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का ऑल टाइम हाई लेवल 565.65 रुपए है। कंपनी के शेयर 11 फरवरी 2008 को इस स्तर पर थे। इस लेवल से रिलायंस पावर के शेयर 95 फीसदी से ज्यादा टूट गए हैं। रिलायंस पावर ने मई 2008 में अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दिया है। कंपनी ने 3उड के रेशियो में अपने निवेशकों को बोनस शेयर दिए यानी, कंपनी ने हर 5 शेयर पर अपने शेयरधारकों को 3 बोनस शेयर बांटे। रिलायंस पावर की टोटल इनकम चौथी तिमाही में घटकर 1946.33 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की टोटल इनकम 2065.64 करोड़ रुपए रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 336.89 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। वहीं, इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में रिलायंस पावर को 2947.83 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की टोटल इनकम घटकर 7988.52 करोड़ रुपए रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 8257.04 करोड़ रुपए थी।

ग्रामीण रोजगार के नए युग की शुरुआत, वीबी-जी-राम जी के मसौदा नियम जारी

1 जुलाई 2026 से मन्रेगा की जगह लेगा यह अधिनियम



मुंबई ।

केंद्र सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 (वीबी-जी-राम जी) के मसौदा नियम सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी कर दिए। यह नया अधिनियम 1 जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मन्रेगा) का स्थान लेगा और ग्रामीण रोजगार गारंटी के लिए एक नए आवंटन मॉडल का प्रस्ताव करता है। मसौदा नियमों पर 21 जून 2026 तक टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं। वीबी-जी-राम जी के मसौदा नियमों के अनुसार, केंद्र एक वित्त वर्ष में राज्यों को मानक निधि आवंटन के लिए 16वें वित्त आयोग के क्षैतिज हस्तांतरण फॉर्मूले का उपयोग करेगा। वित्त वर्ष 2027 से शुरू होकर, इस मानदंड-आधारित आवंटन का एक हिस्सा राज्यों के प्रदर्शन से भी जुड़ा होगा, जिसमें समय पर मजदूरी भुगतान, सामाजिक ऑडिट का अनुपालन और कार्यों को पूरा करने का प्रतिशत जैसे कारक शामिल होंगे। केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आवंटन प्रदर्शन या अन्य उपयुक्त मानदंडों पर आधारित होगा। अधिनियम के तहत केंद्र और राज्यों के बीच काषा साझाकरण 60८40 होगा, जबकि उत्तर-पूर्वी और पहाड़ी राज्यों के लिए यह अनुपात 90८10 रहेगा। हालांकि, सिविल सोसायटी के एक समूह ने इस नए मानक आवंटन की आलोचना की है।

उनका तर्क है कि यह केंद्र को राज्यों को आवंटित की जाने वाली धनराशि की मात्रा मनमाने ढंग से तय करने का अधिकार देता है, जिससे रोजगार के दिनों की संख्या प्रभावित होगी और यह मन्रेगा की मांग-आधारित भावना के विरुद्ध है। इसके जवाब में केंद्र ने स्पष्ट किया है कि मानदंड-आधारित धन मुहैया कराना वीबी-जी-राम जी को भारत सरकार की अधिकांश योजनाओं के बजट मॉडल के अनुरूप बनाता है और इससे रोजगार गारंटी कम नहीं होगी।

ईंधन मूल्य वृद्धि से चमके तेल विपणन कंपनियों के शेयर

एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी के शेयरों में 4 से 6 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बाद सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कर्पनियों (ओएमसी) के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर कंपनियों के मुनाफे की उम्मीद पर पड़ा, जिससे निवेशक आकर्षित हुए। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 5.86 प्रतिशत बढ़कर 412.55 रुपये के

उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में 4.55 प्रतिशत और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के शेयर में 4.15 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। यह तेजी सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2.61 से 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के तुरंत बाद आई, जो दो सप्ताह से भी कम समय में चौथी वृद्धि है। 15 मई से अब तक कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है, जिससे महंगाई और परिवहन लागत बढ़ने की चिंताएं

उपभोक्ताओं को अब मिलेगा पूरा ईंधन, डिस्पेंसर जांच के बदले नियम

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल पंपों और गैस स्टेशनों पर उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) इन वितरण मशीनों की जांच करेंगे, उनकी सटीकता की पुष्टि करेंगे। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल के साथ-साथ सीएनजी, एलपीजी,

एनएनजी और भविष्य के ईंधन हाइड्रोजन डिस्पेंसरों की सटीक माप सुनिश्चित करने के लिए कानूनी माप विज्ञान नियमों में संशोधन किया है। इस बदलाव के बाद, अब सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण के द्र इन सभी ईंधन वितरण मशीनों की जांच करेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को मिलने वाली मात्रा में पारदर्शिता और सटीकता बढ़ेगी। पहले जीएटीसी केवल 18 प्रकार के उपकरणों की

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,134 , निफ्टी 330 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारी तेजी के साथ बंद हुआ। ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की बढ़ती उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह आया है। इसी कारण दिन भर के बाजारों के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,134 अंक बढ़कर

76,549.82 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 330 अंक की ऊपर आकर 24,049.55 के पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान हर क्षेत्र में तेजी रही। ऑयल एंड गैस, मीडिया, ऑटो, बैंकिंग, एनर्जी और रिप्ल्टी सेक्टर्स में 1-1 फीसदी से ज्यादा की मजबूती रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। बड़े शेयरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शेयरों में भी आज काफी खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में

0.8 फीसदी की बढ़त रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1 फीसदी उछला।

आज अदाणी समूह की अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में उछाल आया। एक रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की, जिससे यह स्टॉक 12 फीसदी से ज्यादा उछलकर 2,850.80 के साथ अपने 52 हफ्ते के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया।

बाजार में कुछ शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी। इसमें

मैक्स हेल्थकेयर , ओएनजीसी, हिंडाल्को, टीसीएस , बजाज ऑटो, डॉलर के मुकाबले रुपये में शानदार रिकवरी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत रही।

सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 835 अंकों की बढ़त के साथ 76,250 के स्तर पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 247 अंक चढ़कर 23,967 पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों से मिले मजबूत संकेतों ने भी भारतीय बाजार में को बल मिला।

तिमाही नतीजे से आयशर मोटर्स के शेयरों में 5.8 फीसदी की तेजी, निवेशक खुश

कंपनी का प्रदर्शन मार्च क्वार्टर में उम्मीद से बढ़कर अच्छा रहा

नई दिल्ली।

रॉयल इनफील्ड बनाने वाली आयशर मोटर्स के शेयरों की कीमतों में सोमवार को 5.8 फीसदी की तेजी आई। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह तिमाही नतीजे हैं, जिससे निवेशक काफी खुश हैं। जीएसटी कटौती की वजह से इस कंपनी का प्रदर्शन मार्च क्वार्टर के दौरान उम्मीद से बढ़कर अच्छा रहा। बीएसई में सोमवार को आयशर मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ 7200.10 रुपए के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 5.8 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 7389.55 रुपए के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे।

आयशर मोटर्स ने बताया कि मार्च तिमाही में प्रॉफिट 1519.95 करोड़ रुपए रहा है। सालाना

आधार पर आयशर मोटर्स का प्रॉफिट 11.58 फीसदी बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 1362.15 करोड़ रुपए था। जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू से 6080.09 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 5241.11 करोड़ रुपए रहा था। बता दें, मार्च क्वार्टर के दौरान रॉयल इनफील्ड की रिकॉर्ड तोड़ बित्री हुई है। कंपनी ने कुल 313811 यूनिट बाइक बेची है।

पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो आयशर मोटर्स का प्रॉफिट 16.5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 5515.23 करोड़ रुपए रहा। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का रेवन्यू से 24 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद 23407.56 करोड़ रुपए रहा है। आयशर के शेयरों के

पाकिस्तान-श्रीलंका से कम बढ़ी भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें

पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस और नेपाल में 30 से 86 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक बार फिर बढ़ाई गई हैं, जो 10 दिनों में चौथी वृद्धि है। हालांकि, यह बढ़ोतरी पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार जैसे कई पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है, जहां ईंधन के दाम आसमान छू रहे हैं। सोमवार की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गया

है। बीते 10 दिनों में पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.53 रुपये महंगा हुआ है। इसके विपरीत म्यांमार में पेट्रोल 90 फीसदी और डीजल 110 फीसदी तक महंगा हुआ है। पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस और नेपाल जैसे देशों में भी 30 से 86 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यूरोपीय यूनियन में तो पेट्रोल 180 रुपये और डीजल 184 रुपये प्रति लीटर के औसत भाव पर बिक रहा है, जो भारत से कहीं अधिक



है। यह बढ़ोतरी तेल कंपनियों को हो रहे भारी घाटे को कम करने के लिए की जा रही है। यूक्रेन युद्ध के कारण 76 दिनों तक कीमत न

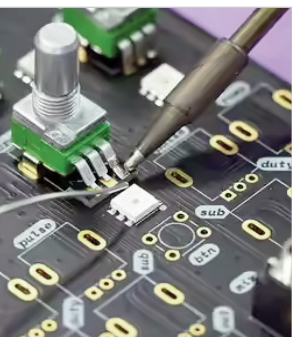
बढ़ने से कंपनियों को रोजाना 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था, जो अब घटकर 500 करोड़ रुपये रह गया है।

सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत 76,000 करोड़ का अधिकांश फंड किया गया उपयोग

धोलेरा में डिस्पले फैब को मिली मंजूरी, 22 महीनों में पहली माइक्रो-एलईडी स्क्रीन का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत के महत्वाकांक्षी इंडियन सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत निर्धारित लगभग 76,000 करोड़ रुपये के अधिकांश फंड का उपयोग कर लिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस साल देश में माइक्रो-एलईडी पैनल और माइक्रोचिप से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू होने वाली हैं, जो भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करेंगी। सेमीकंडक्टर नीति के तहत, गुजरात के धोलेरा में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के लिए एक डिस्पले फैब को हाल ही में मंजूरी मिली है। मंत्री के अनुसार, यह भारत के डिस्पले इकोसिस्टम के लिए एक उल्लेखनीय अवसर है। वैश्विक डिस्पले उद्योग में ज्योमेट्री के आकार में तेजी से कमी आ रही है, और 50 माइक्रो-एलईडी-एलईडी उपयोगकर्ता अनुभव और कीमत दोनों में एलसीडी व ओएलईडी के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी बन जाता है। धोलेरा संयंत्र में मिनी-एलईडी



और माइक्रो-एलईडी दोनों तकनीकें इस्तेमाल होंगी, जिसमें माइक्रो-एलईडी चिप का आकार 30 माइक्रोन गुणा 60 माइक्रोन होगा। उम्मीद है कि इस संयंत्र से पहली माइक्रो-एलईडी स्क्रीन लगभग 22 महीनों में तैयार हो जाएगी। सरकार माइक्रो-एलईडी को आज की तकनीक मानती है और इसमें भारत के लिए आगे बढ़ने का अवसर देखती है। रणनीति में प्रौद्योगिकी को साबित करना, आपूर्ति श्रृंखला बनाना, कार्यबल को प्रशिक्षित करना और फिर विस्तार करना शामिल है। इस लक्ष्य के साथ, भारत 2035 तक सेमीकंडक्टर विनिर्माण में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल होने की राह पर है, जिसमें डिस्पले निर्माण एक अहम हिस्सा है। सरकार भविष्य में विस्तार के लिए अतिरिक्त सहायता देने को भी तैयार है।

बकरीद पर 28 मई को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह सप्ताह अहम रहने वाला है। केंद्र सरकार ने बकरीद (ईद-उल-अजहा) के उपलक्ष्य में आगामी गुरुवार, 28 मई को गजेटेड हॉलिडे घोषित कर दिया है। इस घोषणा के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इस दिन कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर स्थिति स्पष्ट कर दी है। अब इक्विटी, डेरिवेटिव्स और अन्य सभी सेगमेंट में निवेश करने वाले अपनी खरीद-बिक्री की रणनीति में बदलाव करेंगे। गौरतलब है कि मई का महीना पहले से ही निवेशकों के लिए छुड़ियों भरा रहा है, जिसकी शुरुआत 1 मई के अवकाश से हुई थी। 28 मई की छुट्टी के बाद, 30 और 31 मई को वीकेंड होने के कारण निवेशकों को लंबा अवकाश मिलेगा। हालांकि, इस दौरान अमेरिका, यूरोप और एशियाई बाजारों में सामान्य ट्रेडिंग जारी रहेगी, इसलिए वैश्विक घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

तिमाही नतीजे से आयशर मोटर्स के शेयरों में 5.8 फीसदी की तेजी, निवेशक खुश



प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं।

गोल्डमैन सेसे ने 8400 रुपए का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस की तर्फ से बाय रेटिंग दी गई है। वहीं, सीएलएसए ने 7651 रुपए का टारगेट प्राइस सेट किया है।

इस ब्रोकरेज हाउस ने

आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस एचएसबीसी ने 8200 रुपए का टारगेट प्राइस आयशर मोटर्स के शेयरों के लिए दिया है। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 35 फीसदी से ज्यादा देखने को मिली। इस कंपनी ने 3 साल में निवेशकों को 101 फीसदी का रिटर्न दिया है।

भारत में सोने का शौक बना अर्थव्यवस्था की चुनौती

नई दिल्ली।

भारत में सोना सदियों से धरोरे और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, पर अब इसकी भारी खरीददारी देश की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन गई है। विशेषज्ञ बढ़ते आयात बिल और कमजोर रुपये के मद्देनजर सोने को परंपरा नहीं, बल्कि जरूरत और निवेश के नजरिए से देखने की सलाह दे रहे हैं, ताकि खरीददारी का तरीका बदला जा सके। भारतीय परिवारों के पास अनुमानित 34,600 टन सोना मौजूद है, लेकिन भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है, जो कच्चे तेल की कीमतों के साथ मिलकर आर्थिक दबाव बढ़ाता है। इसी कारण, हाल ही में प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक सोना खरीद टालने की अपील की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि लोग अक्सर गहना, निवेश और केवल मुनाफे के लिए की जाने वाली ट्रेडिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते। पारंपरिक ज्वेलरी खरीद में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और शुद्धता का आकलन मुश्किल होता है।



जून में रेपो दर स्थिर रख सकता है आरबीआई सर्वेक्षण

चालू वित्त वर्ष में दरों में बढ़ोतरी की संभावना

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला में संभावित व्यवधानों से उत्पन्न महंगाई की आशंका के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अपनी आगामी बैठक 3-5 जून में रेपो दर को वर्तमान स्तर पर यथावत बनाए रख सकती है। एक सर्वेक्षण में अधिकांश प्रतिभागियों ने यह उम्मीद जताई है। हालांकि, सर्वेक्षण में शामिल लगभग सभी विशेषज्ञों ने मौजूदा वित्त वर्ष में कम से कम एक बार दर वृद्धि की संभावना व्यक्त की है, जो व्याज दरों के रख में जल्द बदलाव का संकेत देता है। विश्लेषकों का मानना है कि खुदरा मुद्रास्फीति का आरबीआई के लक्ष्य (4 फीसदी) से नीचे बने रहना और पश्चिम एशिया संघर्ष के विकास दर पर संभावित नकारात्मक प्रभाव, केंद्रीय बैंक को प्रतीक्षा करी और देखो की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।



फीसदी थी, मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण। हालांकि, यह अभी भी आरबीआई के 2 से 6 फीसदी के वहनयी दायरे में है। सर्वेक्षण के प्रतिभागियों का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक से लेकर तीन बार तक वृद्धि हो सकती है। उम्मीद है कि एमपीसी जून से नीतिगत दरों में वृद्धि शुरू कर देगी, जिससे वित्त वर्ष 2027 में कुल 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी होगी।

इसका कारण जिसों के ऊंचे दाम और रुपये पर बढ़ता दबाव है, जिसने पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले 10 फीसदी से अधिक की गिरावट देखी है, जिससे मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। आरबीआई का मुद्रास्फीति लक्ष्य का लचीला ढांचा उसे आपूर्ति-पक्ष के झटकों को नजरअंदाज करने की गुंजाइश प्रदान करता है, जब तक कि मुद्रास्फीति 6 फीसदी की ऊपरी सीमा से नीचे रहती है।



एसी के साथ पंखा चलाना सही है या गलत?

बिजली बिल बचाने का आसान तरीका

गर्मी के मौसम में कमरे को जल्दी ठंडा करने के लिए लोग अक्सर एसी और पंखा एक साथ चला लेते हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या एसी और फैन को साथ चलाना सही है या इससे बिजली का बिल ज्यादा आता है। कुछ लोग तो यह भी मानते हैं कि पंखा चलाने से एसी पर दबाव बढ़ता है और मशीन खराब हो सकती है। लेकिन सच इसके बिल्कुल

उलट है। एसी और पंखा एक-दूसरे के दुश्मन नहीं, बल्कि अच्छे साथी हैं। अगर इन्हें सही तरीके से साथ इस्तेमाल किया जाए तो कमरा जल्दी ठंडा होता है, एसी पर ज्यादा लोड नहीं पड़ता और बिली की खपत भी कम हो जसकती है।

कूलिंग क्यों नहीं होती

गर्मियों में कमरा काफी गर्म रहता है और ऐसे में अगर आप एसी 16-21-24 पर चलाते हैं, तो उस पर लोड ज्यादा पड़ता है और कूलिंग मन-मुताबिक नहीं होती। जब एसी पर लोड बढ़ेगा तब बिजली की खपत भी होगी और यही

कारण है कि आपका बिल ज्यादा आता है।

एसी-पंखा साथ

चलाने से क्या होगा?

मान लीजिए कि आपने सिर्फ एसी चलाया हुआ है, जो कमरे की हवा को धीरे-धीरे ठंडा कर रहा है। इस प्रोसेस में समय लगेगा और करीब आधे-1 घंटे के बाद कमरा ढंग से ठंडा होगा। अगर फौरन चिल्ल करना चाहेंगे तो एसी को लो टेंपरेचर पर रखना पड़ेगा। लेकिन अगर आप साथ में 2-3 नंबर पर पंखा चला लेते हैं, तो ये कमरे की कोने-कोने की हवा को ठंडा करने में जल्दी मदद करेगा। अगर आप 24 नंबर पर एसी चला रहे हैं और साथ में 3 नंबर पर पंखा, तो कमरा जल्दी ठंडा होगा और एसी पर ज्यादा लोड नहीं आएगा।

बिजली बिल कैसे बचेगा

जब आप कम स्पीड में एसी चलाएंगे तो बिजली का बिल खुद ही कम आएगा और एयर कंडीशनर की मशीन पर लोड भी कम पड़ेगा। पंखे के साथ आप एसी का टेंपरेचर 24-25-26 पर रख सकते हैं और ऐसे में आपका रूम बिल्कुल चिल्ल हो जाएगा।

रात में सुकून की नींद

कई लोग एसी रातभर चलाते हैं, तो कमरे में नमी बनी रहती है या अजीब सी महक के कारण सो नहीं पाते। पंखा साथ में चलाते हैं, तो एसी से कमरे में नमी नहीं होगी और चैन की नींद आएगी। पंखे की हवा से एसी कमरे को कुछ ही देर में ठंडा कर देगा और नमी गायब हो जाएगी।

कूलिंग टिप्स

अगर आपका कमरा काफी बड़ा है, तब आप ये तरीका अपनाकर देखें। अगर कमरा छोटा। ये दोनों चीजें आपको बेहतर कॉफर्म और बैलेंस है, तो एसी को 22 पर सेट करके कुछ देर के लिए चलाएं और पंखा बंद रखें। इसके बाद हल्का पंखा चलाकर एसी का टेंपरेचर कम करें। साथ ही एसी चलाने से पहले कमरे की खिड़कियां, दरवाजे बंद करें, जिससे हवा बाहर न जाए और कमरा जल्दी कूल होकूलिंग देंगे।



बाजार वाले पतले दूध से भी निकलेगी रोटी जितनी मोटी मलाई!

दूध हर घर में आता है और उससे मलाई निकालकर घी भी बनाया जाता है। कई लोग मलाई ऐसे ही निकालते हैं, जो खाने या फिर कुछ और बनाने के काम में आए। लेकिन अगर आप डेयरी या फिर बाजार से पतला वाला दूध खरीदते हैं, तो मोटी मलाई का निशान दूर-दूर तक नहीं रहता। इन दूध में पतली मलाई जमती है, जो किसी काम की नहीं होती। अगर आप भी पतली मलाई जमने से परेशान रहती हैं, तो अब एक ट्रिक अपनाकर पतले और पानी मिले दूध से भी रोटी जितनी मोटी मलाई जमा सकती हैं। कई महिलाएं दूध में सिर्फ 1 चम्मच खास चीज मिलाकर मलाई को ज्यादा गाढ़ा और मोटा बना लेती हैं। खास बात ये है कि इसके लिए ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती।

दूध कैसे उबालें

अक्सर हम दूध को तेज आंच पर चढ़ा देते हैं और एक उबाल आते ही गैस बंद कर देते हैं। ऐसा करने से दूध अच्छी तरह पक नहीं पाता, और यही वजह होती है कि उस पर मोटी मलाई नहीं जमती। अगर आप चाहती हैं कि दूध पर बाजार जैसी गाढ़ी मलाई जमे, तो सबसे पहले दूध को हमेशा धीमी आंच पर पकाना शुरू करें। भले ही इसमें थोड़ा ज्यादा समय लगे, लेकिन धीमी आंच पर दूध अच्छे से खीलता है और उसका टेक्सचर

भी बेहतर हो जाता है। जब दूध धीरे-धीरे पकते हुए पहली उबाल लेने लगे, तभी आपको अपनी सीक्रेट ट्रिक अपनानी है। इसी स्टेज पर थोड़ा-सा मिल्क पाउडर मिलाने से दूध में फेट और सॉलिड्स बढ़ जाते हैं, जिससे बाद में मलाई ज्यादा मोटी और गाढ़ी जमती है। यही छोटा-सा तरीका पतले दूध को भी मलाईदार बना देता है।

क्या मिलाना है

दूध जब हल्की पहली उबाल लेने लगे, तब उसमें 1 चम्मच मिल्क पाउडर मिला दें। मिल्क पाउडर का स्वाद दूध में महसूस नहीं होगा, लेकिन इससे मलाई काफी गाढ़ी और मोटी जमेगी। मिल्क पाउडर डालने के बाद दूध को चम्मच से अच्छी तरह चलाएं और फिर दूसरी उबाल आने दें। इसके बाद गैस बंद कर दें और दूध को ठंडा होने दें। फिर इसे फ्रिज में रख दें। कुछ घंटों बाद आप देखेंगे कि



पतले दूध पर भी मोटी मलाई जमकर ऊपर तैर रही है।

क्यों काम करती है ये ट्रिक?

मिल्क पाउडर दूध में फेट और सॉलिड्स बढ़ाने का काम करता है। इसी वजह से मलाई ज्यादा और मोटी जमती है। अगर आप फुल क्रीम दूध नहीं लेते, तो यह तरीका सबसे आसान और असरदार है। बस ध्यान रखें कि दूध को बार-बार न चलाएं और ठंडा होने के तुरंत बाद फ्रिज में रख दें। यह तरीका आप डेयरी वाले दूध के साथ भी आसानी से आजमा सकती हैं।



गर्मियों में शिशुओं की सेहत का रखें ख्याल, खिलाएं ये खाना

गर्मियों का मौसम में बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, खास कर छोटे बच्चों का। ऐसे में पेरेंट्स अक्सर सोचते हैं कि बच्चों का ध्यान कैसे रखा जाए, उन्हें गर्मियों में खाने के लिए क्या दिया जाए। जिससे बच्चों का शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटिड रहे। गर्मियों में शिशुओं (0-1 साल) का आहार हल्का, पोषिक और शरीर को ठंडक देने वाला होना चाहिए। लेकिन क्या खिलाना है, यह बच्चे की उम्र (6 महीने से कम या ज्यादा) पर निर्भर करता है। चलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चों को गर्मी में क्या खिलाना चाहिए?

छोटे बच्चों को गर्मियों में कैसा

खाना खिलाएं?

गर्मियों में शिशुओं को हल्का, पोषिक और शरीर को ठंडक देने वाला आहार खिलाना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा और हाइड्रेटिड रखने के लिए हल्के, आसानी से पचने वाले और पानी से भरपूर खाने की जरूरत होती है। बच्चों को भारी खाना नहीं खिलाना चाहिए, उन्हें हल्का और जल्दी पचने वाला खाना खिलाना चाहिए।

6 महीने से कम उम्र के बच्चों को क्या दें?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 6 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए तो मां का दूध ही

काफी होता है। क्योंकि इसमें पहले से ही सही मात्रा में पानी और पोषक तत्व होते हैं। जब तक डॉक्टर शिशु को पानी पिलाने की सलाह न दें, उन्हें पाने के लिए पानी भी नहीं देना चाहिए।

6 महीने से ज्यादा के बच्चों को क्या खिलाना चाहिए?

जब बच्चा 6 महीने से ज्यादा का हो जाए तो आप धीरे-धीरे ठोस आहार शुरू कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, चावल का पानी, मूंग दाल की पतली खिचड़ी, दलिया (हल्का और पतला), फल (अच्छी तरह मैश करके), केला, सेब (उबालकर या स्टीम करके), पपीता, तरबूज (बीज

निकालकर, कम मात्रा में) आप बच्चों को ये आहार दे सकते हैं।

बच्चों को सब्जियां खिलाएं

बच्चों को उबली और मैश की हुई सब्जियां खिलानी चाहिए। जैसे, गाजर, लौकी, कद्दू, आलू।

बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए ये भी दें

बच्चों को गर्मी में उबला और ठंडा किया हुआ पानी (6 महीने बाद), घर का बना छाछ (बहुत पतला, थोड़ा सा), नारियल पानी (कम मात्रा में, डॉक्टर की सलाह से) दें।

नींबू के छिलकों

से आपकी तुलसी होगी घनी और स्वस्थ!



घर में लगी तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि आस्था, सेहत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। लेकिन अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनकी तुलसी ठीक से बढ़ नहीं रही, पत्तियां पीली पड़ जाती हैं या पौधा बार-बार सूखने लगता है। ऐसे में लोग महंगे फर्टिलाइजर और केमिकल का सहारा लेते हैं, जबकि इसका आसान और मुफ्त समाधान आपके किचन में ही मौजूद होता है नींबू के छिलके।

क्यों खास है नींबू के छिलकों का इस्तेमाल?

अक्सर हम नींबू का रस निकालने के बाद उसके छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन यही छिलके तुलसी के लिए किसी नेचुरल टॉनिक से कम नहीं हैं। इनमें मौजूद सिट्रस ऑयल, एंटी-बैक्टीरियल गुण और पोषक तत्व पौधे की ग्रोथ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

कीड़ों से बचाने का प्राकृतिक तरीका

तुलसी के पौधे पर छोटे-छोटे कीड़े या चींटियां लग जाना एक आम समस्या है। नींबू के छिलकों की तेज खुशबू इन कीड़ों को दूर भगाने में मदद करती है। जब आप इन्हें मिट्टी में डालते हैं, तो यह एक नेचुरल कीटनाशक की तरह काम करते हैं और पौधे को सुरक्षित रखते हैं।

मिट्टी को बनाते हैं ज्यादा उपजाऊ

तुलसी के पौधे को हल्की एसिडिक मिट्टी पसंद होती है। नींबू के छिलके मिट्टी के pH स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं, जिससे जड़ें पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाती हैं। इसका असर यह होता है कि पौधा तेजी से बढ़ता है और ज्यादा हरा-भरा दिखाई देता है।

फंगस और सड़न से बचाव

अधिक पानी या नमी के कारण तुलसी की जड़ों में फंगस लगने की समस्या हो सकती है। नींबू के छिलकों में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण इस समस्या को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, यह मिट्टी में आने वाली बदबू को भी दूर कर देते हैं और उसे ताजा बनाए रखते हैं।

इस्तेमाल करने के आसान तरीके

नींबू के छिलकों का सही फायदा पाने के लिए इन्हें सीधे इस्तेमाल करने के बजाय कुछ आसान तरीकों को अपनाना बेहतर होता है। आप छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर गमले की मिट्टी में हल्का दबा सकते हैं। दूसरा तरीका है, इन्हें 2-3 दिन पानी में भिगोकर उस पानी को छान लें और पौधे में डालें यह एक लिक्विड फर्टिलाइजर की तरह काम करता है। अगर लंबे समय तक इस्तेमाल करना हो, तो छिलकों को सुखाकर पीस लें और महीने में एक बार मिट्टी में मिला दें।

इस्तेमाल करते समय रखें ये सावधानियां

ध्यान रखें कि नींबू के छिलकों का ज्यादा इस्तेमाल भी नुकसान कर सकता है। हफ्ते में एक बार से ज्यादा इसका प्रयोग न करें। अगर मिट्टी पहले से ज्यादा एसिडिक है, तो इसका उपयोग करने से बचें। साथ ही, छिलकों को हमेशा मिट्टी के अंदर दबाकर रखें, ताकि ऊपर फंगस न लगे।



आईपीएल प्लेऑफ प्रारूप इस प्रकार करता है काम

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेअ (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें लीग स्टेज में शीर्ष पर रही चार सर्वश्रेष्ठ चार टीमों खिताब के लिए टकरायेगी। ये प्रारूप पारंपरिक सेमीफाइनल प्रणाली से अलग है और इसमें प्लेऑफ के ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत करने और खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए लाया गया है। ये प्रारूप इस प्रकार काम करता है।

जहां आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट्स में सेमीफाइनल होते हैं। वहीं प्लेऑफ की प्रणाली ऐसी है कि एक हार के बाद भी टीम को अवसर मिलता है। जिससे एक खराब दिन के कारण कोई टीम बाहर नहीं हो सकती। इसमें कुल चार मुकाबले होते हैं- क्वालीफायर 1, एलिमिनेटर, क्वालीफायर 2 और फाइनल।

क्वालीफायर 1 अंक तालिका में शीर्ष दो



जगह बनाना सबसे लाभदायक है। ऐसे में फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलते हैं।

इसके विपरीत, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के लिए राह बेहद चुनौतीपूर्ण होती है; उन्हें ट्रांफी जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं, एक भी हार उन्हें बाहर कर देती है।

इस प्रकार हुई शुरुआतआईपीएल ने अपने शुरुआती तीन सीजन (2008-2010) में पारंपरिक सेमीफाइनल प्रारूप का इस्तेमाल

फ्रेंच ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस ।

सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रौला गैरा में शुरु हुए फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। जोकोविच ने पहले ही दी दौर में मेजबान देश के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्टशी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यह बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच ने एकसाथ कई नए रिकॉर्ड भी बनाये। इस मैच की शुरुआत जोकोविच के लिए आसान नहीं रही। युवा पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से उन्हें पहले सेट में एक भी ब्रेक अंक नहीं दिया। पेरीकार्ड ने जोकोविच की सर्विस तोड़कर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जोकोविच को संघर्ष करना पड़ा और वह शुरुआत में नौ ब्रेक पॉइंट में से एक भी भुना नहीं पाए। हालांकि, महत्वपूर्ण पलों में अपनी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच ने वापसी की। 5-6 के स्कोर पर पेरीकार्ड ने तीन सेट अंक बचाये, लेकिन



एक लंबी रैली के बाद उनका फोरहैंड पार्सिंग शॉट कोर्ट से बाहर चला गया, और जोकोविच ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद, जोकोविच ने और पेरीकार्ड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे सेट को 6-1 और चौथे को 6-4 से जीतकर उन्होंने कुल 2 घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम किया।

मिलर की एक गलती से दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के हाथ से निकला प्लेऑफ का अवसर नई दिल्ली ।

आईपीएल 2026 के इस सत्र में सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी। दिल्ली की टीम को किस्मत का भी साथ नहीं मिला और प्लेऑफ की दौड़ से उनका बाहर होना केवल एक रन के अंतर से हुआ। डेविड मिलर का एक गलत फैसला भी इसका कारण बना। लीग की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले दो मैच जीते थे। उनका तीसरा मुकाबला गुजरात टाइटन्स के खिलाफ था, जो बेहद रोमांचक रहा। 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स जीत के बेहद करीब थी। अंतिम ओवर में जीत के लिए उसे 13 रनों की जरूरत थी, और गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाजी कर रहे थे। पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़कर लगाया पर अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। नए बल्लेबाज कुलदीप यादव ने तीसरी गेंद पर एक रन लिया, जिसके बाद सारी उम्मीदें अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर पर आ गईं। चौथी गेंद पर मिलर ने एक जोरदार छक्का लगाया जिससे मैच दिल्ली के पाले में आ गया। ऐसे में अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए सिर्फ दो रन चाहिए थे, और मिलर क्रीज पर थे। मिलर ने शॉट खेला पर रन नहीं लिया। इस एक गलती से टीम के हाथ से मैच निकल गया क्योंकि इसके बाद एक बाई रन लेने के प्रयास में कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली कैपिटल्स मुकाबला एक रन से हार गयी।



आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक बॉलिंग और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमराज पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे। सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और

द टूर्नामेंट और टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच जैसे अवार्ड विजेता रहे हैं। ऐसे विश्व-स्तरीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनका उनके प्रदर्शन में गिरावट निराशा की बात है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे के कारणों को मुंबई इंडियंस के कोच महेंद्रा जयवर्धने ने स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, बुमराह के खराब फॉर्म का एक बड़ा कारण उनकी फिटनेस संबंधी दिक्कतें रही हैं। जयवर्धने ने बताया कि टी20 विश्व कप से वापस आने के बाद से ही बुमराह थोड़ी परेशानी से जूझ रहे थे, जिससे विश्व कप के दौरान भी उन्होंने खेला था। इसका सीधा असर टूर्नामेंट के दौरान उनकी लया और तेजी दोनों पर पड़ा, जिससे उनकी रफ्तार में कमी



मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कर्नाटक के पूर्व रणजी क्रिकेटर अक्षय की मौत बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में एक मैच के दौरान ही पूर्व रणजी क्रिकेटर एसएल अक्षय को दिल का मौत का दौरा पड़ा। अक्षय को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। 39 साल के अक्षय की अचानक ही इस प्रकार हुई मौत होने से क्रिकेट जगह में दुख की लहर फैल गयी है। यह दुखद घटना बेंगलुरु के केंआर पुरम में एक थर्ड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। एक रिपोर्टों के अनुसार अक्षय मैच में दोपहर के समय अक्षय फील्डिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। बिना किसी देरी के उन्हें तत्काल ही पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय ने अपने करियर में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में खेला था।

आईपीएल प्लेऑफ के पहले क्वालिफायर में उतरने जा रहीं आरसीबी और टाइटंस को हारने पर भी मिलेगा दूसरा अवसर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्तर के रोमांचक मुकाबले खत्म होने के साथ ही अब प्लेऑफ मुकाबले शुरू होंगे। इसमें शीर्ष चार टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने जगह बनायी है। अंता तालिका में पहले दो स्थान हासिल करने वाली आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच पहला क्वालिफायर मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर मिलेगा। आईपीएल के प्लेऑफ नियमों के अनुसार, लीग स्टेज में

शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को एक क्वालिफायर में भिड़ती हैं, और इस मुकाबले में हारने के बाद भी बाहर नहीं होती है। पहले क्वालिफायर में पराजित होने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में खेलने का अवसर मिलता है, जहां उसका सामना एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होता है। इस तरह, आरसीबी और जीटी, दोनों में से जो भी टीम पहले क्वालिफायर में हारती है, उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए एक और अवसर मिलेगा। इससे मुकाबले का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

इस सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन असाधारण रहा है। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में, रजत पाटीदार की कुशल



अगुवाई में टीम ने लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की है। लीग स्टेज के 14 मुकाबलों में से 9 में जीत दर्ज कर और केवल 5 में हार का सामना कर, आरसीबी ने 18 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजी में, पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 14 मैचों में 163 के शानदार स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। देवदत्त पन्डित ने भी बॉले से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने खुद भी मध्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। टिम डेविड ने निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है, जिससे टीम को कई अहम जीत मिली हैं। गेंदबाजी



157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे

सूर्यकुमार ने फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। सूर्यकुमार के अनुसार ऐसे लोगों को क्रिकेट की समझ नहीं है। सूर्यां ने कहा कि उनकी कलाई में कोई चोट नहीं लगी है और उससे जुड़ी जो भी खबरें आ रही हैं। वह केवल अफवाह भर है। सूर्यां ने कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे उनकी फिटनेस साबित होती है। आईपीएल के इस सत्र में सूर्यकुमार अधिक रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में दिख रही है। ऐसे में अपनी कथित चोट को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, सबसे पहले, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जो लोग कलाई की चोट की बात कर रहे हैं, वे या तो पक्के फिजियो हैं या ऐसे लोग हैं जिन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, अगर मुझे सच में कलाई की चोट या ऐसी कोई समस्या होती, तो मैं अभ्यास और मैचों में वो शॉट नहीं खेला पाता, खासकर मेरे फ्लिक शॉट, जो पूरी तरह से कलाई और हाथ-आंख के तालमेल पर आधारित होते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सूर्यां ने कहा, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि यह मेरे नियंत्रण में नहीं है। ये सभी अनियंत्रित कारक हैं और मैं इन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। आईपीएल के खराब प्रदर्शन को लेकर भी सूर्यां ने कहा कि उन्होंने काम के तरीके में में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने बताया, मैंने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की है। मैंने साल की शुरुआत में भी कड़ी मेहनत की थी। न्यूजीलैंड सीरीज में, मैंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। फिर मेरा वर्ल्ड कप अच्छा रहा, कम से कम मेरे हिसाब में तो ऐसा ही था। फिर आईपीएल आया। मैंने आईपीएल में रन नहीं बनाए, लेकिन मैंने कभी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। आखिरकार, प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं होती। जो आपको नियंत्रण में है, वह है कड़ी मेहनत। इसलिए मैं कड़ी मेहनत करता रहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं।

राहुल ने गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, कई अन्य उपलब्धियां भी अपने नाम कीं

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अपनी इस पारी में राहुल ने 5 चौके और 4 छक्के लगाये। इसी के साथ ही राहुल ने आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में गेल का एक रिकार्ड तोड़ दिया। राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन अलग-अलग फेंचाइजों में एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन में राहुल ने 31 छक्के लगाये हैं। इससे पहले, राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2018 में (32 छक्के) और 2021 में (30 छक्के), तथा लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 2022 में (30 छक्के) लगाये थे। इससे वह आईपीएल इतिहास में तीन टीमों से इतने अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इस रिकॉर्ड को तोड़कर राहुल ने क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के र्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह कारनामा 2-2 आईपीएल टीमों के लिए किया था। क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए चार बार (2011, 2012, 2013, 2015) और पंजाब किंग्स के लिए एक बार (2019) एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाए थे। वहीं, र्लेन मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स (2014) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2023) के लिए 1-1 बार यह रिकार्ड बनाया था। सिर्फ छक्कों के रिकॉर्ड तक ही केएल राहुल का कमाल सीमित नहीं रहा। कोलकाता के खिलाफ लगाया गया यह अर्धशतक उनके आईपीएल करियर का 51वां अर्धशतक था।





सैफ अली खान ने बताई प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह

सैफ अली खान हाल ही में 'कर्तव्य' फिल्म में नजर आए हैं। फिल्म में उनके काम की प्रशंसा हुई है। बतौर अभिनेता सैफ अली खान लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन बतौर निर्माता सैफ ने कुछ ही फिल्मों के निर्माण के बाद अपने प्रोडक्शन हाउस 'इल्युमिनाती फिल्म्स' को बंद कर दिया। जबकि सैफ ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कुछ सफल फिल्में भी बनाईं। अब सैफ अली खान ने प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह बताई है।

यह कष्टदायक काम है 'लव आज कल' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने के बाद सैफ अली खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले 'एजेंट विनोद', 'कॉकटेल', 'गो गोवा गॉन' और 'हैप्पी एंडिंग' जैसी फिल्मों का निर्माण किया। लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस बंद कर दिया। अब सैफ ने स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान इसके पीछे के कारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत बोरिंग काम हो सकता है। लेकिन यह बहुत क्रिएटिव है। मुझे एक आइडिया के साथ साउंड और लुक जैसी क्रिएटिव चीजों पर बात करने का आइडिया पसंद है। मुझे निर्माण करने में मजा आया, लेकिन यह बहुत कष्टदायक भी हो सकता है। इल्युमिनाती फिल्म्स की सफलता का श्रेय मेरे डिस्ट्रिब्यूशन पार्टनर, इरोस इंटरनेशनल और मेरे प्रोड्यूसिंग पार्टनर दिनेश विजयन की मेडॉक फिल्म्स को भी जाता है।

समय बदलता रहता है
अभिनेता ने आगे कहा कि समय बदलता रहता है, लोग बदलते रहते हैं। यह हर जगह देखने को मिलता है। दिनेश एक बेहतरीन निर्माता बन गए हैं और यह बहुत अच्छी बात है। हमारा भी एक अच्छा दौर था। मैंने उससे बहुत फायदा कमाया और इसमें इरोस की उस समय की एक्टिविटीज का भी बहुत बड़ा योगदान था। यह एक शानदार मौका था, लेकिन कुछ चीजें हमेशा के लिए बनी रहती हैं।



अक्षय कुमार के डांस की मुरीद हुई अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भोजपुरी गाने पर डांस करने की खाहिश जताई है। जिसका एक खास वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। वीडियो शेयर कर मांगा मौका अक्षरा सिंह ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो की शुरुआत में वह अपने टैब पर अक्षय कुमार का मशहूर गाना 'टिप-टिप बरसा पानी' देखती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह वीडियो में अक्षय कुमार से कहती हैं, 'प्रणाम अक्षय, मेरा नाम अक्षरा सिंह है और मैं भोजपुरी सिनेमा में काम करती हूँ।'

अक्षय के साथ डांस करना चाहती हैं अक्षरा
अक्षरा ने आगे कहा, 'मैं काफी समय से आपके हिंदी गाने देख रही हूँ। आपने कई हिंदी गानों पर डांस किया है, अब थोड़ा भोजपुरी गानों पर भी हमारे साथ टुमका लगाइए। आप बस दिन और समय बता दीजिए, मैं आ जाऊंगी।'

अक्षय का रिप्लाई
अक्षरा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'भोजपुरी गाने पर टुमका लगाने का एक चांस दे दें क्या,

अक्षय कुमार?' अक्षरा सिंह का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया क्रिएटर्स इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षरा के इस वीडियो पर अक्षय कुमार ने रिप्लाई दिया है। अक्षय ने लिखा, 'तो फिर बात पक्की अक्षरा। समय सुबह 11:30 बजे, दिन सोमवार, 25 मई और जगह सभी सोशल मीडिया। मिलते हैं।'



सबा आजाद ने पूरी की सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग ऋतिक रोशन ने की हैं प्रोड्यूस

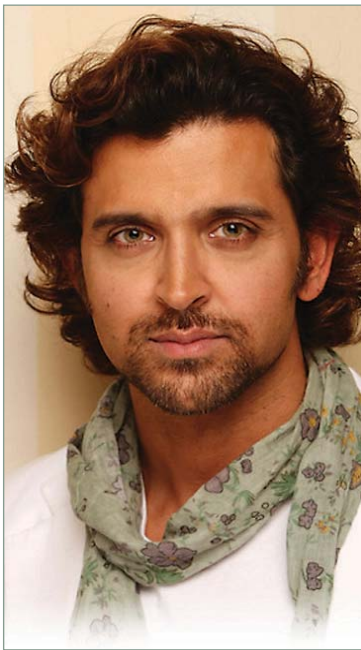
बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड व अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही ऋतिक के प्रोडक्शन हाउस एचआरएक्स फिल्म्स के बैनर तले बन रहे अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। हाल ही में सबा ने खुलासा किया कि उन्होंने आगामी थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग पूरी कर ली है। सबा ने अपने सीरीज की कहानी और अपने किरदार को लेकर बात की।

बताया करियर का सबसे मुश्किल किरदार

हालिया बातचीत के दौरान सबा आजाद ने बताया कि इस भूमिका ने उन्हें इमोशनली बहुत प्रभावित किया। उन्होंने इस किरदार को अपने करियर की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण परफॉर्मेंस में से एक बताया। सीरीज में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया मेरे लिए काफी हैरान करने वाली और शानदार रही। इस सीरीज ने मुझे उन तरीकों से झकझोर दिया, जिनकी मैंने उम्मीद नहीं की थी। मुझे लगता है कि मैं इसे घर ले गई और मुझे नहीं लगता कि मैं पहले कभी किसी किरदार को घर ले गई हूँ। मैं लोगों के इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हूँ। मुझे लगता है कि उस शो में कुछ बेहतरीन कलाकार हैं और अजीतपाल सिंह (निर्देशक) एक जीनियस हैं।

ऐसी है 'स्टॉर्म' की कहानी

'स्टॉर्म' की कहानी मुंबई में हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े एक घोटाले में फंसी पांच महिलाओं के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, ये महिलाएं भ्रष्टाचार, धोखे और मुंबई जैसे शहर में अपने जीवन के संघर्ष से जूझती नजर आती हैं। इस सीरीज में सबा आजाद के अलावा पार्वती थिरुवोथु, अलाया एफ,



सुष्टि श्रीवास्तव और रामा शर्मा सहित कई दमदार कलाकार नजर आएंगे। अजीतपाल सिंह द्वारा निर्देशित 'स्टॉर्म' का निर्माण ऋतिक रोशन और इशान रोशन अपने बैनर एचआरएक्स फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांकोइस लुनेल और स्वाति दास द्वारा लिखी गई है।

अनुराग कश्यप की फिल्म में नजर आएंगी सबा

'स्टॉर्म' के अलावा सबा आजाद का इस साल एक और बड़ा प्रोजेक्ट रिलीज होने वाला है। वह अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होने वाले 'व्हाट्स योर गायनेक?' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इसके बाद अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की आगामी क्राइम ड्रामा फिल्म 'बंदर' में बाबी देओल और सान्या मल्होत्रा के साथ दिखाई देंगी। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

तुम्बाड 2 में कैमियो और तीसरे में लीड रोल करेंगी आलिया

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है। आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं। खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी।

इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कोशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी।



इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और टैंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं

आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूँ, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।' सई ने आगे कहा, 'मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूँ। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूँ। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियाँ चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूँ।' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं। बता दें कि सई मांजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।



ओटीटी ने महिलाओं को अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया है

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने सिनेमा, अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' और अमिनय के शुरुआती दौर के किस्से साझा किए।

नई सोच को अगर डिफाइन करोगे तो कितना बदलाव आया है?

नई सोच में सबसे मुश्किल चीज होती है कि हमारी जो खुद की सोच होती है, उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं जो हमारी सोच को हमारी बनाती हैं। हम क्या फिल्में देखते हैं। हम नाटक देखने जाते हैं या नहीं। आर्ट और कल्चर से एजुकेशन से जब हम खुद को जोड़ते हैं तो ये सब चीजें हमें बहुत प्रभावित करती हैं। मेरा बैकग्राउंड बहुत अकेडमिक है। मेरी सोच बदलती रही और यह बहुत जरूरी है। हमें अपनी सोच को पकड़कर नहीं रखना है। हमें ग्रो करना है। अनुभवों की वजह से मैं हूँ। डरिए मत नई सोच से। कोई जबर्दस्ती तो नहीं कह रहा कि यही करना है आपको। एक और चीज मैं कहूंगी कि धैर्य रखिए। सुनिए और समझिए कि सामने वाला क्या कहने को कोशिश कर रहा है।

गोलू के किरदार से लाइफ कितनी बदली?

मिर्जापुर तो लव है हमारा। गोलू और मिर्जापुर अब मेरे साथ नौ साल से हैं। नौ साल की रिलेशनशिप बहुत सुंदर होती है। इस सफर में क्या-क्या जुड़ा? अलौ फजल, वो भी लखनऊ से हैं। मिर्जापुर की जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और पहला एपिसोड पढ़ा तो बहुत मजा आया। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा होना है। गोलू के साथ-साथ मैंने भी बहुत ग्रोथ की है।

मिर्जापुर की फिल्म भी आने वाली है?

हमारी फिल्म लंबी तो होगी। आप क्या कहानी बताना चाहते हो, कितना टाइम चाहिए उसे बताने में। हम एक्टिंग को उतनी ही करेंगे। लेकिन, सीरीज में आप डूब सकते हो। उसका मजा अलग है। ओटीटी ने राइटर, डायरेक्टर, महिला किरदार, क्रू सदस्यों को बहुत सारे मौके दिए हैं। महिलाओं को अब सिर्फ ब्रेकट में नहीं डाला जा रहा है। किरदार में अब नए कलर और प्लेवर हैं। बदलाव आता है तो बदलाव पूरी इंडस्ट्री में आता है। यहां हम जहां तक पहुंचें हैं, इसमें बहुत सारी औरतों का तो रोल है ही, मेल एक्टर्स का भी बहुत हाथ है। पीछे से कुछ सीखने को है अगर तो वह सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। यह जिम्मेदारी दर्शकों की है।

दर्शक जो देखेगा, वही बनेगा। मैं यहां सभी से रिक्वेस्ट करना चाहूंगी कि वैसा कंटेंट देखिए, जिसे आप देखना चाहते हैं।

श्वेता प्रोड्यूसर भी हैं आप। कंटेंट का आइडिया कहां से आया?

सोच की बात है। डर में नहीं रहना चाहिए। डर की वजह से हम अपने परों को काट देते हैं, जिनसे हम उड़ सकते हैं।

कई एक्ट्रेस अब आवाज उठाने लगी हैं कि आठ घंटे ही हमें काम को देने हैं।

निराला की रूप में आप कैसे देखती हो? बहुत सारी बातें पहले ही विलयर कर लेनी चाहिए। अभी एक प्रोजेक्ट है, जहां कई शर्तें हैं। वैनिटी वैन नहीं होगी। फोन की इजाजत नहीं होगी तो पहले ही इन पर बात करो। प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है सब। मैं महिलाओं के केस में यह कह सकती हूँ कि बहुत काम करना होता है। प्रोफेशनली भी हम जो वक्त मांग रहे हैं, वह हमारी मेंटल पीस के लिए बहुत जरूरी है। बहुत फॉर ग्रांटेड ले लिया हम लोगों को। वह टाइम का जो हम मांग रहे हैं, सोच-समझकर मांग रहे हैं।

आप थिएटर से भी कैसे जुड़ी रहीं

मैं एक्टर बनना चाहती थी, क्योंकि मैं एक्टर्स को स्टेज पर देखती थी दिल्ली में। मैं लंदन भी गई थी अपनी दोस्त के साथ। वहां हमने परफॉर्मेंस देखीं। मेरे पापा ने भी बचपन में कहा था कि जो भी पैसा या टाइम आप खर्च कर रहे हो उसे अनुभवों पर खर्च करो, क्योंकि यह जिंदगी भर साथ रहता है। सही टाइम वो होता है, जब आप किसी चीज को लेकर फेसला ले लो। मेरे माता-पिता बहुत प्रेरित करने वाले हैं। बचपन से ही मुझे बहुत प्रेरित किया गया था, डांस के लिए और ड्रामा के लिए। उन्हें ऐसा लगा होगा कि यह मेरी पर्सनैलिटी में बहुत हेल्थफुल होगा। इसके लिए मेरे पेरेंट्स का शुक्रिया। मैं भी उन चीजों को पकड़ें रखी। मैं कैजी से स्टेज पर रही हूँ। मैं गमी की छुट्टियों में भी वर्क शॉप करती थी। लेकिन, ये मत भूलना कि आपने जब शुरू किया तो वयों शुरू किया? खुद पर कोई प्रेशर मत डालो। लाइफ को एंजॉय करो।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका की पीएम बोलीं- तनाव भरी दुनिया में कॉमनवेल्थ बेहद जरूरी मंच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसुरिया ने कहा है कि आज के बढ़ते वैश्विक तनाव और अस्थिर माहौल में राष्ट्रमंडल राष्ट्र सदस्य देशों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने 21 मई 2026 को कॉमनवेल्थ महासचिव शर्ली बॉवसे से मुलाकात के बाद यह बयान दिया। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानून लगातार कमजोर हो रहे हैं। ऐसे समय में कॉमनवेल्थ जैसे संगठन देशों के बीच भरोसा बढ़ाने और संवाद बनाए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग, साझेदारी और एक-दूसरे की आवाज सुनना आज पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। अमारासुर्या ने कहा कि कॉमनवेल्थ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विविध सदस्यता है, जहां छोटे और विकासशील देशों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों का सीधा प्रभाव श्रीलंका जैसे देशों पर पड़ रहा है। मध्य पूर्व संकट के कारण खाद्य पदार्थ, ईंधन और उर्वरकों की कीमतें बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों पर पड़ रहे असर को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कॉमनवेल्थ आने वाले समय में और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश- दो अहम बंदरगाहों का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए 3 बड़े रणनीतिक समझौतों के बाद बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश ने अमेरिका को अपने दो अहम बंदरगाहों हिंटगांव-मतारबाड़ी के इस्तेमाल की अनुमति देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं साझा करने पर भी सहमति बनी है। अमेरिकी नौसेना व सैन्य जहाज अब इन दोनों बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अफ्रीका की हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक मौजूदगी काफी मजबूत होगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से करीब 1100 किमी दूर है, इसलिए इसे भारत की सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका की विशेष नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है और वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। तेल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भी यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्पेन : रैली निकाल मांगा पीएम का इस्तीफा

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन के समाजवादी प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज के इस्तीफा की मांग को लेकर शनिवार को राजधानी मैड्रिड में हजारों स्पेनवासियों ने विशाा विरोध रैली निकाली। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पीएम के आधिकारिक आवास के चारों ओर लगी बाधाओं को तोड़ने की कोशिश भी की। स्पेनिश सिविल सोसाइटी एसोसिएशन की अगुवाई में स्पेनवासियों ने यह रैली भ्रष्टाचार के कई घोटालों के सामने आने के विरोध में निकाली। इन लोगों के हाथों में समाजवादी माफिया का इस्तीफा और अन्य नारों वाले बैनर थे। विपक्षी पीपल्स पार्टी और घुर-दक्षिणपंथी वॉक्स पार्टी के नेताओं ने भी इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस ने पीएम के आवास मोंवेलोआ पैलेस की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर नकाबपोश लोगों के एक समूह को हिरासत में लिया। इस पैलेस में ही सांचेज अपने परिवार के साथ रहते हैं। मार्च फॉर डिग्नटी (गरिमा मार्च) में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए।

सेनेगल : राष्ट्रपति ने पीएम को हटाया

डकार, एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरु दियोमाये फाये ने वर्षों से जारी तनाव के बाद पीएम ओस्मान सोनको को बर्खास्त कर दिया है। सरकार के महासचिव उमर सांबा बा ने शुक्रवार देर रात इस फैसले की घोषणा की। पारस्टफ पार्टी के फाये व सोनको के बीच खुले टकराव के बाद यह बखर्कतगी की गई। दबा ने कहा, पीएम को बर्खास्त करने के बाद सरकार के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

स्पेसएक्स का अब तक का सबसे बड़ा स्टारशिप प्रक्षेपित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अब तक का अपना सबसे बड़ा, शक्तिशाली व अगली पीढ़ी के उन्नत स्टारशिप रॉकेट का सफल परीक्षण किया। इस परीक्षण में रॉकेट में 20 किलो उपग्रहों का एक समूह तैनात किया था। स्टारशिप, टेक्सास के दक्षिणी छोर से रवाना हुआ और हिंद महासागर में निश्चित लैंडिंग की। यह उस रॉकेट की 12वीं परीक्षण उड़ान है, जिसे एलन मस्क लोगों को मंगल तक ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा : अमेरिका-ईरान शांति समझौता लगभग तय, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोला जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन और तेहरान एक बड़े शांति समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। यह बातचीत मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के कई नेताओं के साथ हुई कॉलस के बाद आगे बढ़ी, जिनमें पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर और खाड़ी देशों के नेता भी शामिल थे। शनिवार को ‘ट्रुथ सोशल’ पर किए गए एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्र के कई देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है और अब सिर्फ कुछ आखिरी बातें बाकी हैं। ट्रंप ने लिखा, ‘मैं व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हूं, जहां अभी हमारी सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, यूएई के मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, कतर के अमीर तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी, प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम बिन जाबेर अल थानी, कतर के मंत्री अली

अल-थावादी, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर अहमद शाह, तुर्की के राष्ट्रपति रसेप तैयप एर्दोगन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यह बातचीत ईरान और शांति से जुड़े एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर केंद्रित थी।’

ट्रंप ने कहा कि यह हाल के महीनों में ईरान और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक पहल में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका, ईरान और ऊपर बताए गए दूसरे देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है, बस अंतिम मंजूरी बाकी है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अलग से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और वह भी बहुत अच्छी रही।

ट्रंप के मुताबिक, अब बातचीत समझौते की आखिरी शर्तों और विवरणों पर चल रही है। डील के अंतिम पहलुओं और बारीकियों

ट्रंप थे व्हाइट हाउस के अंदर, बाहर चलीं गोलियां; सीक्रेट सर्विस ने सदिग्ध को किया ढेर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास शनिवार रात अचानक गोलीबारी से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस परिसर के नजदीक 17 स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू इलाके में करीब 30 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। यह इलाका आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन के पास स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक सदिग्ध बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस के बाहर बने सुरक्षा बुथ पर फायरिंग शुरू कर दी, जहां सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। जवाबी कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के जवानों ने भी गोली चलाई, जिससे सदिग्ध हमलावर घायल हो गया। इस गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि किसी सीक्रेट सर्विस अधिकारी के घायल होने की खबर नहीं है।

गोलीबारी के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे ट्रंप : घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। फिलहाल उनके सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि व्हाइट हाउस की छत पर काउंटर स्नाइपर्स को तैनात किया गया, ताकि किसी भी संभावित खतर से तुरंत निपटा जा सके। घटना के समय सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी थी। इस गोलीबारी के बाद पूरे इलाके



में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई। व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन को तुरंत खाली कराया गया और कुछ समय के लिए लॉकडाउन लागू किया गया। वहां मौजूद पत्रकारों ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनते ही उन्हें प्रेस ब्रीफिंग रूम के अंदर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया।

सोशल मीडिया पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने दी जानकारी : अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्हें 17वीं स्ट्रीट और पैसिल्वेनिया एवेन्यू के पास गोली चलने की सूचना मिली है। यह इलाका व्हाइट हाउस से सिर्फ एक ब्लॉक दूर बताया जा रहा है। एजेंसी ने कहा कि जमीन पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर जानकारी की पुष्टि की जा रही है।

रिपोर्ट- हमलावर खुद को जीउस मानता था : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिरे बेस्ट मानसिक रूप

मोरक्को के राजा ने अफ्रीका कप फाइनल हिंसा के 18 सेनेगली प्रशंसकों को दी माफी; सांचेज से मांगा इस्तीफा

रबात, एजेंसी। मोरक्को के राजा मोहम्मद ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फाइनल के दौरान हुई हिंसा के मामले में जेल भेजे गए 18 सेनेगली फुटबॉल प्रशंसकों को माफ कर दिया है। यह फैसला ईद-अल-अजहा के मौके पर मानवीय आधार पर लिया गया। इन प्रशंसकों को फरवरी 2026 में खेल परिसर को नुकसान पहुंचाने और खेल आयोजन के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप में एक साल तक की सजा सुनाई गई थी। कुछ लोग अपनी सजा पूरी भी कर चुके थे। जनवरी में खेले गए अफ्रीका कप फाइनल में सेनेगल और मोरक्को के बीच मुकाबले के दौरान भारी हंगामा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ सेनेगली समर्थकों ने मैदान में घुसने की कोशिश की थी। वहीं सेनेगल की टीम ने मेजबान मोरक्को को दिए गए आखिरी मिनट के पेनल्टी फैसले का विरोध करते हुए मैदान छोड़ दिया था। हालांकि सेनेगल ने मैच 1-0 से जीत



लिया था, लेकिन बाद में अफ्रीकी फुटबॉल परिषद ने विवादित फैसला लेते हुए सेनेगल से खिताब छीनकर मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया। सेनेगल ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी। घटना के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया था और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेश भी सामने आए थे। इसके बावजूद दोनों देशों के नेताओं ने आपसी रिश्ते मजबूत बनाए रखने और व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई।

सर्बिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज, बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद हलका तनावपूर्ण हो गए। हजारों लोगों ने राष्ट्रपति के खिलाफ प्रदर्शन किया। रैली खत्म होने के बाद कुछ प्रदर्शनकारी समूहों और दंगा पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, बातलें और फ्लेयर फेंके, जबकि पुलिस ने जवाब में पंपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। सर्बिया में पिछले कई महीनों से भ्रष्टाचार और सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है। इस प्रदर्शन को छात्र संगठनों और युवाओं का बड़ा समर्थन मिला। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। हजारों लोग राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच की

सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन की शुरुआत नवंबर 2024 की ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद हुई थी। छात्र संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं और समय से पहले चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए पंपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन के बाद बेलग्रेड में हिंसा कैसे भड़की : बेलग्रेड के केंद्रीय चौक आंदोलन नवंबर 2024 में हुई एक ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद शुरू हुआ था। देश के उत्तरी हिस्से में हुई इस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद बाद कुछ युवा समूह पुलिस से भिड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें कई फुटबॉल हूलिगन भी शामिल थे।

पर चर्चा जारी है, और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रंप के बयान का सबसे अहम हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर था। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल गुजरता है। उन्होंने लिखा, ‘समझौते के कई दूसरे हिस्सों के साथ-साथ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी खोला जाएगा।’ इस बयान पर भारत में भी खास नजर रहेगी, क्योंकि भारत अपनी

जगहों पर ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियारों के साथ पूरे इलाके में तैनात हो गए और करीब 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ लॉन को खाली करा दिया गया है। स्रब्रहु डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा एजेंसियां फायरिंग की खबर पर कार्रवाई कर रही हैं।

व्हाइट हाउस में मौजूद थे कई पत्रकार : रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को व्हाइट हाउस परिसर के आसपास मौजूद पत्रकारों ने कई गोलियों की आवाजें सुनीं। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत सभी पत्रकारों को प्रेस ब्रीफिंग रूम में जाने का निर्देश दिया। कुछ देर बाद सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर निकलने से भी रोक दिया। इससे इलाके में तनाव और सतर्कता का माहौल बन गया।

घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित बताए गए हैं और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, वॉशिंगटन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने फिलहाल मामले पर विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही मामले को लेकर बयान जारी कर सकती है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की निगरानी कर रही हैं और आसपास की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

इलाके में 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही : गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद पत्रकारों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित

असीम मुनीर ने पेजेशिकयन और गालिबाफ से की मुलाकात, ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामिक एकता पर दिया जोर

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर से संबंधित बातचीत के सिलसिले में तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से मुलाकात की। ईरान के आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, सीडीएफ मुनीर ने ईरान के संसदीय स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी मुलाकात की है। अल अरबिया ने जानकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि मुनीर ने तेहरान को अमेरिका के मैसेज भेजे थे और उन मैसेज में युद्ध फिर से शुरू करने की धमकी भी शामिल थी। मेहर न्यूज के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि ‘अमेरिकियों के साथ

बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।’ पेजेशिकयन ने मुनीर से मुलाकात के दौरान अपनी बात की शुरुआत इस्लामिक एकता की जरूरत पर जोर देते हुए की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने असल में अंतरराष्ट्रीय कानूनी फ्रेमवर्क के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेशिकयन ने जोर दिया, ‘हम बस अपने देश के जायज और कानूनी अधिकारों को असलियत में लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।’ बार-बार वादे तोड़ने, बातचीत के दौरान हमलों और अधिकारियों की हत्याओं की वजह से अमेरिका पर

कांगो में इबोला का खतरा बढ़ा: इलाज केंद्र में आगजनी के बाद 18 सदिग्ध मरीज लापता

किंशंसा , एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला वायरस का संकेत लगातार गहरता जा रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब गुस्साए लोगों ने इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए एक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। इस घटना के बाद 18 सदिग्ध मरीज वहां से भाग निकले और अब उनका कोई पता नहीं चल पाया है। यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा हमला है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं वायरस को और तेजी से फैलाने का खतरा बढ़ा रही हैं। इलाके में पहले से ही डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय अस्पताल के निदेशक डॉ. रिचर्ड लोकुंडी ने बताया कि मोंगबेवालु शहर में शुक्रवार रात कुछ लोग इलाज केंद्र पहुंचे और वहां लगे एक टेंट में आग लगा दी। यह टेंट सदिग्ध और पुष्टि वाले इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाया गया था। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन बिना सीमाओं के डॉक्टर की मदद से चलाया जा रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीज जान बचाते लिए बाहर भागने लगे। इसी दौरान 18 सदिग्ध मरीज लापता हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है क्योंकि संक्रमित लोग समुदाय में वायरस फैला सकते हैं। इससे एक दिन पहले वॉम्पारा शहर में भी एक इलाज केंद्र को आग लगा दी गई थी। वहां एक व्यक्ति की इबोला से मौत का शक था और प्रशासन ने परिवार को शव ले जाने की अनुमति नहीं दी थी। इबोला से मरने वाले लोगों के शव बेहद संक्रामक माने जाते हैं और अंतिम संस्कार के दौरान वायरस फैलने का



खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से प्रशासन खुद अंतिम संस्कार करवा रहा है। लेकिन कई परिवार और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शनिवार को वॉम्पारा में भारी सुरक्षा के बीच इबोला मरीजों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया। सैनिकों और पुलिस की मौजूदगी में रेड क्रॉस के कर्मचारी सुरक्षा सूट पहनकर ताबूत दफनाते दिखाई दिए। परिवार के लोग दूर खड़े होकर रोते रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कांगो में इबोला का खतरा अब बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसके फैलने का खतरा अभी कम माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस आधानोम घेब्रेयेसस ने बताया कि असली संक्रमितों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। यह वायरस बंदीबुग्यो प्रकार का दुर्लभ इबोला है, जिसका अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार शुरूआती मामलों की पहचान में देरी हुई, जिससे वायरस कई हफ्तों तक बिना पकड़े फैलता रहा। पूर्वोत्तर कांगो में प्रशासन ने 50 से ज्यादा लोगों के जुटने और अंतिम संस्कार सभाओं पर रोक लगा दी है। रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज का अंतराष्ट्रीय महासंघ ने बताया कि उसके तीन स्वयंसेवकों की भी इबोला संक्रमण से मौत हुई है।

असीम मुनीर ने पेजेशिकयन और गालिबाफ से की मुलाकात, ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामिक एकता पर दिया जोर

ईरानियों के भरोसे में कमी का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा, ‘ऐसे हालात में, ईरान बातचीत के रास्ते पर है, पाकिस्तान जैसे दोस्त देशों के साथ भाईचारे वाले संबंधों पर भरोसा कर रहा है, लेकिन हमारा मुख्य मकसद बस सही समाधान के साथ ईरानी देश के हितों को सुरक्षित करना है।’ उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका नहीं जीतेगा; बल्कि, इस इलाके और दुनिया के देशों को गंभीर नुकसान होगा। यहूदी शासन ही इस्लाम पर विजय पाती है या इस्लाम के जरिए इस इलाके में अपने फायदे सुरक्षित करना चाहती है। ‘ दूसरी तरफ, मुनीर ने कहा कि इजरायल मुसलमानों के बीच झगड़े और मतभेद में अपना फायदा ढूंढता है। पाकिस्तान सिर्फ स्थिरता बनाना चाहता है और इलाके में युद्ध को जारी रहने और दोबारा होने से

रोकना चाहता है। सेना ने एक बयान में कहा है कि आसिम मुनीर ने ईरान का एक छोटा लेकिन बहुत फायदेमंद दौरा पूरा कर लिया है। इस दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की। बयान में कहा गया है कि पिछले 724 घंटों में हुई बातचीत से आखिरी समझौते की दिशा में अच्छी तरक्की हुई है। इसके अलावा, पाकिस्तान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, गुह मंत्री मोहसिन नक्वी ने तेहरान में ईरान के कृषि मंत्री घोलमरेजा नूरी घेजेल्जेह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने कृषि क्षेत्र में समझौतों में तेजी लाने और जरूरी चीजों के ट्रांसपोर्ट को आसान बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच कृषि और पशुधन व्यापार में साझा मौकों पर भी जोर दिया।

रूस के कॉलेज पर हुए ड्रोन हमले में मौत का आंकड़ा बढ़ा, मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

मॉस्को, एजेंसी। रूस के लुहान्स्क इलाके के स्टारोबेल्स्क में एक डॉरमेट्री पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार मलबे में और शव मिले हैं। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सर्विस ने बताया कि मलबे के नीचे तीन और बच्चे हो सकते हैं। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया, ‘मलबे से दो और लोगों की लाशें बरामद की गईं। इससे घायलों की कुल संख्या 60 हो गई है, जिनमें से 18 की मौत हो गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने

शुक्रवार को स्टारोबिल्स्क कॉलेज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की थी। रूसी जांच कमेटे की प्रवक्ता स्वेतलाना पे्टेंको के मुताबिक, प्रवक्ता यूक्रेन को पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, ‘हम आम लोगों और आम लोगों के इफ़ास्ट्रक्चर पर होने वाले किसी भी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। यूक्रेन के बारे में, मैं यह बताना चाहूंगा कि हम स्टारोबिल्स्क शहर में एक कॉलेज की बिल्डिंग और डॉरमेट्री पर रातभर हुई गोलाबारी की रिपोर्ट पर चिंता के साथ नजर

जानकारी साझा नहीं की और न ही यह बताया कि इसमें कौन-सा देश क्या भूमिका निभाएगा। व्हाइट हाउस की तरफ से भी फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है।

60 दिन के लिए बड़ेगा अमेरिका-ईरान युद्धविराम : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर बड़ी के 86 बच्चे उस जगह पर मौजूद थे। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले के अनुसर दोनों देश 60 दिन के लिए युद्धविराम बढ़ाने के करीब पहुंच गए हैं। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को धीरे-धीरे दोबारा खोलने और ईरान के उच्च स्तर पर संबंधित यूरेनियम भंडार को कम करने या सीपेन जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके बदले अमेरिकी ईरानी बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों में ढील देने और कुछ प्रतिबंध हटाने पर सहमत हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम को पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

तेल जरूरतों के लिए खाड़ी देशों से बड़े पैमाने पर आयात करता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव को हमेशा चिंता की नजर से देखता रहा है।

अगर ईरान से जुड़ा तनाव कम होता है, तो इससे तेल की कीमतों, शिपिंग में रुकावट और सप्लाई चेन से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्तावित समझौता जापन की पूरी